संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 297
पृष्ठ 8
शुक्रवार
17 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– घर में बना लें स्पेशल बिरियानी..

विचार– संघ को चंपत राय की चपत

खेल– युवराज और अभिषेक के साथ वैभव...

जय जगन्नाथ! पीएम मोदी ने दी रथ यात्रा की शुभकामनाएं, कहा

भारत की आध्यात्मिक विरासत की 'शानदार अभिव्यक्ति'

नयी दिल्ली,एजेंसी। ओडिशा के पुरी में आज से शुरू हो रही विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की सालाना रथ यात्रा के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और दुनिया भर के श्रद्धालुओं को बधाई दी है। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक उत्सव को भारत की अटूट आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। दूसरी ओर, सुरक्षा बलों के कड़े पहरे और भारी बारिश की तैयारियों के बीच महाप्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के तीनों दिव्य रथ पुरी मंदिर के सिंहद्वार पर सजकर तैयार हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी को बधाई। यह भारत की सदाबहार आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की शानदार अभिव्यक्ति है। रथ यात्रा से जुड़ी परंपराओं ने भारत और दुनिया भर में कई पीढ़ियों को सामूहिक भागीदारी और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं।

पीएम मोदी ने सभी की भलाई और खुशहाली के लिए भी प्रार्थना की। उन्होंने कहा, ष्महाप्रभु जगन्नाथ सभी को अच्छा स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि का आशीर्वाद दें। वे हमें हमारे सभी कामों के लिए शक्ति दें और हमारे समाज में एकजुटता की भावना को और मजबूत करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभ अवसर पर भारत और दुनिया भर के भक्तों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भावपूर्ण अवसर भक्त और ईश्वर के मिलन का प्रतीक है और सचमुच अनोखा है।

आज शुरू होने वाली सालाना जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले एक्स पर एक पोस्ट में, जगन्नाथ – चक्रराज सुदर्शन, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ – भक्तों से मिलने के लिए बाहर आते हैं। भक्त और ईश्वर के मिलन का यह भावपूर्ण अवसर वास्तव में अद्वितीय है,ष भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल से लिखा गया।

इस बीच, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीन रथ – नंदीघोष, दर्पदलन और तालध्वज – को वार्षिक रथ यात्रा से पहले पुरी जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार पर खड़ा कर दिया गया है, जो आज शुरू होगी। हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक, जगन्नाथ रथ यात्रा में हर साल लाखों भक्त शामिल होते हैं। इसके सुचारू और शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों में व्यापक सुरक्षा और लॉजिस्टिकल इंतजाम किए गए हैं।

खास बात यह है कि पुरी में कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

भगवान जगन्नाथ मंदिर में पारंपरिक पहंडी अनुष्ठान श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ

पुरी,एजेंसी। ओडिशा के पुरी में नौ दिनों तक चलने वाली वार्षिक रथ यात्रा की शुरुआत लागातार बारिश और लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पहंडी की रस्म के साथ हुई। पहंडी की रस्म में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और उनकी बहन देवी सुभद्रा के विग्रहों को 12वीं सदी के पुरी मंदिर से रथों तक ले जाया जाता है। घंटियों, शंख और झांझ की ध्वनि के बीच, चक्रराज सुदर्शन को सबसे पहले मुख्य मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के श्दर्पदलनश रथ पर विराजमान किया गया। पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि श्री सुदर्शन भगवान विष्णु का अस्त्र है, जिनकी पूजा पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में की जाती है। उन्होंने बताया कि भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई भगवान बलभद्र के विग्रह को भी उनके श्तालध्वजश रथ पर स्थापित किया गया। सेवादारों द्वारा शून्य पहंडी शैली में भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा के विग्रह को उनके रथ तक ले लाया गया। अंत में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ के विग्रह को मंदिर से बाहर लाया गया, तो बड़ा डंडा पर भक्तों की भावनाएं उमड़ पड़ीं। उन्होंने अपने हाथ उठाकर और जय जगन्नाथ का जयघोष कर महाप्रभु के रथ पर विराजमान होने का जश्न मनाया। पहंडी अनुष्ठान में तीनों देव विग्रहों को एक औपचारिक जुलूस के साथ उनके संबंधित रथों तक लाया जाता है। ये रथ मंदिर के सिंह द्वार के सामने खड़े किए जाते हैं, ताकि उन्हें श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया जा सके। इस 12वीं सदी के मंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर स्थित श्री गुंडिचा मंदिर को इन देवी–देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है। मंदिर प्रशासन के अनुसार रथ यात्रा के अनुष्ठान पूर्वाह्न नौ बजे शुरू हुए। अधिकारियों ने बताया कि बड़ा डंडा से बारिश का पानी निकालने और रथों को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, क्योंकि भक्त भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को मंदिर से श्री गुंडिचा मंदिर तक इसी रास्ते से खींचकर ले जाएंगे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना हुआ

जम्मू,एजेंसी। जम्मू कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच, 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं का 15वां जत्था बृहस्पतिवार को जम्मू से दो आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। अब तक 3.25 लाख से अधिक तीर्थयात्री 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में पूजा–अर्चना कर चुके हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और पुलिस की सुरक्षा में 251 गाड़ियों के काफिले में 5,201 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना हुआ जिसमें 92 साधु, नौ साध्वियां, 3,970 पुरुष, 1,124 महिलाएं, पांच बच्चे और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि काफिला दो अलग–अलग समूहों में रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि बालटाल जाने वाला काफिला 74 वाहनों में 1,745 तीर्थयात्रियों को लेकर तड़के तीन बजे रवाना हुआ जबकि पहलगाम जाने वाला काफिला 177 गाड़ियों में 3,456 तीर्थयात्री को लेकर तड़के 3.30 बजे रवाना हुआ।

राजनाथ सिंह ने बीआरओ को सराहा, कहा विकास की नई मिसाल

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) की ओर से आयोजित स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव को संबोधित किया और संगठन के साढ़े छह दशकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह दशकों में, संगठन ने सचमुच अपने आदर्श वाक्य, कड़ी मेहनत से सब कुछ संभव है को साकार किया है। अटल टनल और सेला टनल जैसे प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तेजी से आप अब सबसे मुश्किल इलाकों और ऊंचे पहाड़ों पर सड़कें और हाईवे बना रहे हैं, वैसी तेजी हमारे इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। टेक्नोलॉजी को अपनाने के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। और BRO परिवार के एक सदस्य के तौर पर, जब मैं आपकी उपलब्धियों को देखता हूँ, खासकर पिछले दशक की उपलब्धियों को, तो मुझे गर्व महसूस होता है। राजनाथ सिंह ने इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार बने रहने वाले रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी देश की ताकत चाहे कितनी भी ज़्यादा क्यों न हो, उसे खड़े होने के लिए मजबूत जमीन की जरूरत होती है। BRO सीमावर्ती इलाकों में एयरफील्ड भी बनाता है। युद्ध के तरीके चाहे कितने भी बदल जाएं, सड़कों, सुरंगों और एयरफील्ड का महत्व हमेशा बना रहेगा। BRO देश की ताकत का एक अहम स्तंभ बना रहेगा। इसने खुद को सिर्फ एक कंस्ट्रक्शन एजेंसी से बदलकर दुनिया के सबसे सम्मानित रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर संगठनों में से एक बना लिया है। कॉन्क्लेव के समय पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने भारत में बुनियादी ढांचे में हुए बड़े बदलाव का जिक्र किया और कहा कि कॉन्क्लेव का विषय – टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और बेहतरीन क्रियान्वयन के जरिए क्षमता बढ़ाना – भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि सभ्यताओं को न केवल उनकी उपलब्धियों के लिए, बल्कि उनके द्वारा बनाई गई सड़कों और बुनियादी ढांचे के लिए भी याद किया जाता है। आज भारत जो बुनियादी ढांचा बना रहा है।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस का सरकार पर हमला

परिसीमन से लेकर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' तक कई विधेयकों के विरोध का ऐलान

नयी दिल्ली,एजेंसी। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले कांग्रेस ने सरकार के संभावित विधायी एजेंडे के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया है। पार्टी का कहना है कि यदि केंद्र सरकार कुछ प्रमुख विधेयकों को सदन में पेश करती है, तो कांग्रेस उनका संसद के भीतर और बाहर पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इन मुद्दों पर अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति बनाने का प्रयास करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी की बैठक में हुई चर्चाओं की जानकारी देते हुए कई प्रस्तावित विधेयकों पर अपना विरोध दर्ज कराया। जयराम रमेश ने दावा किया कि केंद्र सरकार एक बार फिर परिसीमन से संबंधित विधेयक संसद में लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले सरकार इस प्रस्ताव को आवश्यक समर्थन दिलाने में सफल नहीं हो सकी थी और अब इसे दोबारा लाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी पहले भी इस प्रस्ताव का विरोध करती रही है और आगे भी इसी रुख पर कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच एकजुटता बनाए रखने की दिशा में भी काम करेगी। कांग्रेस ने न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर भी सवाल उठाए हैं। जयराम रमेश ने बताया कि पार्टी की बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस विधेयक की जांच के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया है। कांग्रेस का मानना है कि इस विषय पर व्यापक सहमति और गंभीर विचार–विमर्श की आवश्यकता है, इसलिए पार्टी इस प्रस्ताव का भी विरोध करेगी। जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इस विषय पर गठित संयुक्त संसदीय समिति को अपनी रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर सौंपनी है। कांग्रेस का कहना है कि यह प्रस्ताव देश की संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए पार्टी इस पहल का भी विरोध करेगी और इस विषय पर संसद में अपनी बात मजबूती से रखेगी। कांग्रेस ने संकेत दिया कि यदि सरकार विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन से जुड़ा विधेयक फिर से संसद में पेश करती है, तो पार्टी उसका भी विरोध करेगी। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस पहले भी इस प्रस्ताव का विरोध कर चुकी है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के विरोध के बाद सरकार को पहले इस विधेयक को वापस लेना पड़ा था। यदि इसे दोबारा लाया जाता है, तो कांग्रेस फिर से इसका विरोध करेगी।

दिल्ली को शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्कूली बच्चों में राष्ट्र देवो भव की भावना पैदा किया जाना चाहिए ताकि वे इसे उच्च शिक्षा में आगे लेकर जा सकें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज के हीरक जयंती समारोह के सिंहावलोकन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि देशभक्ति का अर्थ समझने वाले लोग ही देश को आगे ले जा सकते हैं और यह विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान देगा। राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के बारे में गुप्ता ने कहा, हमें अवसर विकसित करने होंगे ताकि छात्रों को देश के भीतर अच्छी शिक्षा मिल सके और दिल्ली इसका केंद्र बन सके। हम दिल्ली को शिक्षा के एक केंद्र के रूप में विकसित करने पर विचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 60 वर्षों से यह कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम के संस्कारों के साथ राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, इस गौरवशाली यात्रा के लिए पूरे कॉलेज परिवार, प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को हार्दिक बधाई। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह, कॉलेज के डीन बलराम पाणि, कुलसचिव विकास गुप्ता और शहीद भगत सिंह कॉलेज के प्राचार्य अरुण कुमार अत्री उपस्थित थे। स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा, इतिहास उन्हें याद रखता है जो केवल अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए भविष्य का निर्माण करते हैं।

ई20 पेट्रोल विवादः उपभोक्ता के पक्ष में देश का पहला फैसला

रायपुर,एजेंसी। ई20 पेट्रोल से वाहन में खराबी को लेकर आए देश के पहले फैसले में अदालत ने उपभोक्ता को राहत पहुंचाई है। कार मालिक ने आरोप लगाया था कि ई20 पेट्रोल ने उसकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद रायपुर जिला उपभोक्ता अदालत ने कार मालिक के पक्ष में फैसला सुनाया है। साथ ही, अदालत ने कंपनी और संबंधित पक्षकारों को कार मालिक की शिकायत को देखते हुए वाहन बदलने या निर्धारित राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है। रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में परिवाद की ऑनलाइन 12 मार्च 2025 को की गई थी, जबकि इसका पंजीयन 16 अप्रैल 2025 को हुआ। 14 जुलाई को आयोग ने अपना आदेश जारी किया। उपभोक्ता प्रेमराज देवता ने आरोप लगाया था कि उनकी मारुति ग्रैंड विटारा कार में ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद बार–बार समस्याएं आने लगीं। शिकायत में इंजन संबंधी परेशानी, परफॉर्मेंस के खराब होने, मिसफायरिंग और लगातार माइलेज घटने जैसी समस्याओं का जिक्र किया गया। उपभोक्ता का कहना था कि ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद वाहन की समस्या दूर नहीं हुई, जबकि कई बार सर्विस सेंटर में जांच और मरम्मत कराई गई। आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 35 के तहत परिवाद को आंशिक रूप से स्वीकार किया। आयोग ने माना कि ई20 पेट्रोल के संबंध में उपभोक्ता के पास व्यवहारिक रूप से अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध नहीं था।

राहुल गांधी का धामी सरकार पर बड़ा हमला, बोले

उत्तराखंड बन गया पेपर लीक का 'एपिसेंटर'

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने के मामलों को लेकर बृहस्पतिवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि देवभूमि को पेपर लीक का श्एपिसेंटरश (मुख्य केंद्र) बना दिया गया है।

उन्होंने श्एक्सश पर एक पोस्ट कर यह भी कि वह ष्छात्रों की गूंजष कार्यक्रम के तहत युवाओं और अभ्यर्थियों के अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए 17 जुलाई को देहरादून पहुंच रहे हैं। उन्होंने युवाओं से इस लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया है। राहुल गांधी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) समेत अन्य परीक्षाओं का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ष्उत्तराखंड ही क्यों? क्योंकि देवभूमि को पेपर लीक का एपिसेंटर बना दिया गया है। यहां एक ऐसा शसिस्टमश बैठ गया है, जहां पटवारी, लेखपाल या कोई और पद काबिलियत से नहीं, अपराधियों के तय किए रेट से मिलता है।ष उन्होंने पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा लागू किए गए नकल–विरोधी कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने सखष्त कानून तो बनाया, लेकिन इसके बावजूद पेपर लीक होते रहे। उन्होंने आरोप लगाया, ष्कघनून सिर्फ कागज पर ही सिमट कर रह गया और पेपर बाजार में सरेआम बिकते रहे। कांग्रेस नेता ने परीक्षार्थियों के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बच्चा वर्षों तक कड़ी तैयारी करता है, फॉर्म भरता है, फीस देता है और दूर–दराज के सेंटरों तक परीक्षा देने जाता है, लेकिन अंत में उसका पद कोई और खरीद लेता है।

उन्होंने इसे महज एक श्लीकश नहीं बल्कि श्चोरीश करार दिया और कहा कि यह प्रदेश के युवाओं के हक, उनके रोजगार और उनके भविष्य की चोरी है। उन्होंने कहा, ष्मैं उत्तराखंड के हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवा से कहता हूं, यह आपकी लड़ाई है और मैं आपके साथ हूं।

पुलिस अधिकारियों ने केस डायरी देर से भेजने का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ा, लगा 50 हजार रुपये हर्जाना

प्रयागराज। जमानत याचिका पर समय से केस डायरी कोर्ट में नहीं भेजने का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ रहे पुलिस अधिकारियों से खफा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार पर 50,000 रुपये का हर्जाना लगाया है। जमानत याचिका पर समय से केस डायरी कोर्ट में नहीं भेजने का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ रहे पुलिस अधिकारियों से खफा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार पर 50,000 रुपये का हर्जाना लगाया है। जांच का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जांच के बाद सरकार को यह राशि लापरवाह पुलिस अधिकारियों से वसूल कर याचियों को अदा करना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार देशवाल की अदालत ने बिजनौर के चांदपुर थाने में दर्ज दहेज हत्या के आरोपी सास सबीला-ससुर यासीन की जमानत याचिका पर दिया है। कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना के साक्ष्य नहीं मिलने पर दोनों की जमानत मंजूर कर ली है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि जमानत याचिका की प्रति संयुक्त निदेशक (अभियोजन) के कार्यालय ने 17 जून को पुलिस पैरोकार को उपलब्ध करा दिया था। इसके बाद 19 जून को पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजा गया और 29 जून को अनुस्मारक भी जारी किया गया।

फिर भी पुलिस ने मामले की केस डायरी कोर्ट को उपलब्ध नहीं कराई, जिससे ग्रीष्मावकाश में दाखिल जमानत याचिका पर अब तक सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने तीन जुलाई को सीसीटीएनएस पोर्टल से केस डायरी का पीडीएफ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था, लेकिन पुलिस ने केवल आरोपियों का आपराधिक इतिहास भेजा। इस पर चांदपुर के थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक और क्षेत्राधिकारी को तलब किया गया।

पेश हुए थाना प्रभारी ने छुट्टी और कांवड़ यात्रा की ड्यूटी को देरी का कारण बताया। वहीं उपनिरीक्षक ने इसे संवादहीनता (कम्यूनिकेशन गैप) बताया, जबकि क्षेत्राधिकारी ने कहा कि उनके साथ तैनात हेड कांस्टेबल ने कोर्ट से भेजे संदेशों की जानकारी नहीं दी थी। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर हैरानी जताई। कहा कि यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। कोर्ट ने अपने आदेश की प्रति पुलिस महानिदेशक और बिजनौर के पुलिस अधीक्षक को भी भेजने का आदेश दिया है।

43 साल पहले पिता पर तेजाब फेंकने के मामले में बेटे की सजा बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर में 43 साल पहले पिता पर तेजाब फेंकने के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सुनाई गई तीन साल के कठोर कारावास की सजा बरकरार रखी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर में 43 साल पहले पिता पर तेजाब फेंकने के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सुनाई गई तीन साल के कठोर कारावास की सजा बरकरार रखी है। कोर्ट ने आरोपी को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण कर शेष सजा काटने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संतोष राय की एकल पीठ ने रज्जाक की याचिका पर दिया।

अभियोजन के अनुसार पांच सितंबर 1981 को गोरखपुर के बिछिया गांव में रज्जाक का अपने पिता गुलाम हुसैन से विवाद हुआ था। इसी दौरान उसने पिता पर तेजाब फेंक दिया। इससे उनके शरीर का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया। करीब तीन सप्ताह तक इलाज के बाद सेप्टीसीमिया और गंभीर जलन के कारण उनकी मृत्यु हो गई। ट्रायल कोर्ट ने 1983 में हत्या के आरोप की सुनवाई के बाद उसे चोट पहुंचाने के आरोप में दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

मध्यस्थता का हवाला देकर एफआईआर रद्द नहीं कराई जा सकती, आरोपियो की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी व्यावसायिक समझौते में मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) का प्रावधान होने या विवाद के दीवानी स्वरूप का तर्क देकर संज्ञेय आपराधिक अपराध में दर्ज एफआईआर रद्द नहीं कराई जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी व्यावसायिक समझौते में मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) का प्रावधान होने या विवाद के दीवानी स्वरूप का तर्क देकर संज्ञेय आपराधिक अपराध में दर्ज एफआईआर रद्द नहीं कराई जा सकती। यदि प्रथम दृष्टया गबन या आपराधिक विश्वासघात जैसे अपराध के तत्व मौजूद हैं तो आपराधिक कार्यवाही जारी रहेगी। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता, न्यायमूर्ति डॉ.अजय कुमार की खंडपीठ ने वाराणसी निवासी अमित कुमार जायसवाल व एक अन्य की याचिका खारिज करते हुए की। भारतीय रिजर्व बैंक से अधिकृत एक कंपनी ने एटीएम संचालन के लिए याचियों के साथ मास्टर फ्रेंचाइजी समझौता किया था। कंपनी का आरोप है कि एटीएम में नकदी भरने के लिए बैंक से निकाले गए 43.37 लाख रुपये में पूरी रकम मशीनों में जमा नहीं की गई। बाद में 8.09 लाख और 4.32 लाख रुपये लौटाए गए। लेकिन 30.95 लाख रुपये अब तक जमा नहीं किए गए। कंपनी ने इसे गबन और आपराधिक विश्वासघात बताते हुए एफआईआर दर्ज कराई। याचियों की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि विवाद पूरी तरह व्यावसायिक अनुबंध और खातों के मिलान (रिकंसिलिएशन) से जुड़ा है। समझौते में मध्यस्थता का प्रावधान होने के कारण आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर के आरोप केवल अनुबंध के उल्लंघन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रथम दृष्टया गबन और आपराधिक विश्वासघात का मामला बनता है। यदि एक ही घटनाक्रम से दीवानी और आपराधिक दोनों प्रकार की जिम्मेदारी उत्पन्न होती है तो केवल दीवानी उपाय उपलब्ध होने से आपराधिक कार्रवाई समाप्त नहीं हो जाती। कोर्ट ने कहा कि आर्बिट्रेशन क्लॉज केवल दीवानी विवादों के समाधान का माध्यम है, किसी आपराधिक अपराध की जांच या अभियोजन का विकल्प नहीं।

निलंबन नहीं, दोषी आरपीएफ कर्मियों की हो बर्खास्तगी

प्रयागराज। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ऑन ड्यूटी डिप्टी एसएस की पिटाई के मामले में रेल कर्मचारियों में आक्रोश है। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज संघ (एनसीआरईएस) ने दोषियों की बर्खास्तगी की मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। आंदोलन को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल के बड़े पदाधिकारी बुधवार को प्रयागराज स्थित यूनियन के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। नवाब युसूफ रोड स्थित कार्यालय में हुई बैठक में यूनियन नेताओं ने कहा कि दोषी आरपीएफ कर्मियों की बर्खास्तगी होनी चाहिए, हालांकि रेलवे प्रशासन की गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट को देखते हुए संघ ने फिलहाल थोड़ा संयम बरतने का फैसला किया है। साथ ही 16 जुलाई को पूरे जोन में होने वाले बड़े प्रदर्शन को टाल दिया है। यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि जांच कमेटी की रिपोर्ट की प्रतीक्षा करेंगे। यदि रिपोर्ट आने के बाद भी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो नॉर्थ सेंट्रल रेलवे जोन में एनसीआरईएस के बैनर तले एक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा।

बिजली की आंख-मिचौली:
उमस भरी गर्मी में लोगों का हाल बेहाल

प्रयागराज। उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। इस बीच शहर के अधिकांश इलाकों में बिजली की लगातार कटौती ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मंगलवार देर रात से शुरू हुआ बिजली का आना-जाना बुधवार देर रात तक जारी रहा जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। कहीं तकनीकी खामी बताई गई तो कहीं लो वोल्टेज या कहीं लोड बढ़ने से फीडर ट्रिप होने की समस्या बनी रही।

लो वोल्टेज, लोकल फॉल्ट की समस्या के कारण उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल सकी। लगातार बिजली कटौती ने घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कामकाज को भी बाधित किया है।लगातार बिजली कटौती से प्रभावित इलाकों में असंतोष बढ़ रहा है।

गऊघाट उपकेंद्र से जुड़े मुट्ठीगंज, बड़ा चौराहा और गाजीगंज मंडी जैसे क्षेत्रों में फीडर ट्रिप होने से बिजली एक से दो घंटे के अंतराल पर आती-जाती रही, जिससे लोगों को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा।

साउथ मलाका, रामबाग, बैरहना, कोठापार्चा, राजा बनारस की कोठी और जीरो रोड जैसे इलाकों में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही रही। इन क्षेत्रों में मंगलवार देर रात से बुधवार देर रात तक कई बार आधे-आधे घंटे के लिए बिजली गुल होती रही।

इसी तरह लोकल फॉल्ट और लोड बढ़ने की वजह से कल्याणी देवी, अतरसुइया, रानीमंडी, मीरापुर और दरियाबाद में बिजली संकट बना रहा। दिन ही नहीं, देर रात तक आधे-आधे घंटे के अंतराल पर बिजली का आना-जाना लगा रहा।

तेलियरगंज, छोटा बघाड़ा, सलोरी, गोविंदपुर, कटरा, कर्नलगंज, जॉर्ज टाउन और राजापुर जैसे इलाकों में भी सुबह से देर रात तक बिजली की आंख-मिचौली जारी रही। बताया गया कि लोकल फॉल्ट की वजह से बत्ती काटी गई। सोहबतियाबाग, तिलक नगर, दारागंज, अल्लापुर और अलोपीबाग क्षेत्रों में भी मंगलवार से बुधवार देर रात तक बार-बार बिजली कटौती की खबरें सामने आईं। इसके अतिरिक्त, आनंदपुरम, राजरूपपुर, कालिंदीपुरम और चकिया क्षेत्रों में भी पूरे दिन बिजली की आवाजाही से लोग परेशान रहे।

उमस और बिजली कटौती का दोहरी मार

उमस भरी गर्मी में लगातार बिजली कटने से लोगों को घरों में रहना मुश्किल हो गया है। पंखे और कूलर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे तापमान असहनीय हो गया है। इस स्थिति में, बिजली की आपूर्ति में अनियमितता ने लोगों की परेशानी को दोगुना कर दिया है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी इस बिजली कटौती से प्रभावित हुए हैं, जिससे उनके कामकाज पर भी असर पड़ रहा है।

पीपल गांव समेत कई मोहल्लों में रातभर गुल बिजली गुल, सुबह पानी के संकट से लोग परेशान

प्रयागराज। पीपल गांव स्थित शिखर वीर आवास सोसाइटी में मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक बिजली गुल रही। इससे उमस भरी गर्मी और सुबह पानी के संकट से स्थानीय लोगों को जूझना पड़ा। स्थानीय निवासी भारत राय ने बताया कि क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों की कमी है। इस कारण एक ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड आ जाता है। इससे हर दो-तीन दिन में बिजली आपूर्ति बाधित होती है। उन्होंने बिजली विभाग से शिकायत की बात कही। राय ने बताया कि हर बार जल्द समाधान का आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। निवासी यूके मिश्रा ने कहा कि रातभर बिजली गुल रहने से दिनचर्या प्रभावित होती है। बच्चों की पढ़ाई और स्कूल जाने में भी दिक्कत आती है।

क्षेत्र में चार ट्रांसफार्मर हैं। एक फेज पर अधिक लोड होने के कारण समस्या उत्पन्न हुई थी। लोड का संतुलन कर दिया गया है। क्षतिग्रस्त पेटी को भी ठीक करा दिया गया है। बुधवार सुबह करीब 10ः30 बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।-अवर अभियंता (जेई) हरिनाथ पाल

हाईकोर्ट का फैसला- मां को सगे बेटे से भरण-पोषण मिल रहा तो सौतेले से नहीं मांग सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मां को सगे बेटे से भरण-पोषण मिल रहा है तो सौतेले से मांग नहीं कर सकती। किसी व्यक्ति के भरण-पोषण का दायित्व एक से अधिक लोगों पर बनता है तो अदालत तय कर सकती है कि किससे और किस अनुपात में राशि दिलाई जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मां को सगे बेटे से भरण-पोषण मिल रहा है तो सौतेले से मांग नहीं कर सकती। किसी व्यक्ति के भरण-पोषण का दायित्व एक से अधिक लोगों पर बनता है तो अदालत तय कर सकती है कि किससे और किस अनुपात में राशि दिलाई जाए, लेकिन इस मामले में परिवार न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति लक्ष्मी कांत शुक्ला की एकल पीठ ने महिला की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। मुजफ्फरनगर परिवार न्यायालय ने सगे बेटे को प्रतिमाह आठ हजार रुपये भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, जिसे महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कहा कि दोनों बेटों को भरण-पोषण देने का आदेश दिया जाए। इस पर शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि सगा बेटा सक्षम है और भरण-पोषण का भुगतान कर रहा है। ऐसे में सौतेले बेटे पर भी वही दायित्व नहीं डाला जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण के मामले में अदालत यह देखती है कि आवेदक स्वयं अपना पालन-पोषण करने में असमर्थ है या नहीं। जिससे भरण-पोषण मांगा जा रहा है, उसके पास पर्याप्त साधन हैं या नहीं। कोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय के आदेश के बाद महिला को उसके सगे बेटे से नियमित भरण-पोषण मिल रहा है। ऐसे में अब वह स्वयं के भरण-पोषण के लिए सक्षम मानी जाएगी।

ई-रिक्शा बिगाड़ रहे शहर की सूरत

प्रयागराज। शहर में बढ़ते ई-रिक्शा यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। मनमाने ढंग से कहीं भी सवारी चढ़ाने-उतारने और सड़क पर वाहन खड़ा करने से रोजाना प्रमुख चौराहों पर जाम लग रहा है। बिना संकेत अचानक मोड़ देने से जगह-जगह हादसे भी देखे जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस इन्हें नियंत्रित नहीं कर पाई है।

शहर के जानसेनगंज, केंद्रीय जीएसटी कार्यालय, हनुमान मंदिर चौराहा, मिश्रा भवन, मेडिकल चौराहा, सोहबतिया बाग, बांगड़ चौराहा समेत अन्य जगहों पर सुबह और शाम के समय सबसे अधिक दबाव रहता है। यहां ई-रिक्शा चालक सड़क पर ही सवारी का इंतजार करते हैं। कई बार एक साथ कई ई-रिक्शा खड़े होने से पूरी लेन प्रभावित हो जाती है।

ट्रैफिक पुलिस ने 21 मई 2026 से शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई व्यस्त और वीआईपी मार्गों पर ई-रिक्शा संचालन पर रोक लगाई थी। पहले चरण में इसे एक माह के प्रायोगिक आधार पर लागू किया गया। इसके तहत रामबाग फ्लाईओवर, सिविल लाइंस हनुमान मंदिर से सुभाष चौराहा, लक्ष्मी टाकीज से पुलिस क्लब चौराहा और कचहरी से विश्वविद्यालय मार्ग पर ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध किया गया था। कुछ दिन यह व्यवस्था चली लेकिन इसके बाद फिर जस का तस हो गया।

कार्रवाई का डर नहीं, तभी अराजकता

राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। ई-रिक्शा के लिए स्थायी स्टैंड, जीपीएस आधारित रूट निर्धारण, नो-स्टॉपेज जोन का कड़ाई से पालन, नियमित प्रवर्तन और बार-बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। कार्रवाई का डर न होने की वजह से ही अराजकता है।

जाम की पांच बड़ी वजह

- सड़क पर ही सवारी चढ़ाना-उतारना।
- अवैध पार्किंग और स्टैंड की कमी।
- बिना इंडिकेटर अचानक मोड़ लेना।
- प्रतिबंधित मार्गों पर भी संचालन।
- ट्रैफिक नियमों का कमजोर अनुपालन।

ये तय किए गए थे वैकल्पिक मार्ग

तेलियरगंज की ओर से आने वाले ई-रिक्शा को फायर ब्रिगेड चौराहा, नवाब यूसुफ रोड होते हुए सिविल लाइंस रेलवे स्टेशन और हाईकोर्ट की ओर भेजने की व्यवस्था की गई। वहीं, बैरहना और संगम क्षेत्र से आने वाले ई-रिक्शा के लिए सीएमपी कॉलेज, मेडिकल चौराहा, डीआरएम कार्यालय मार्ग तय किया गया था। यातायात प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि जल्द ही मनमाने तरीके से चलने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।

वकालतनामे पर फर्जीवाड़ा, कोर्ट बोला- आरोपों ने झकझोर दिया है अदालत का जमीर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में गाजीपुर के नेहरू विद्यापीठ इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति को लेकर दाखिल याचिका में दाखिल वकालतनामे में फर्जीवाड़ा सामने आया है। इसके प्रामाणिकता सवाल उठाते हुए दाखिल पुनर्विलोकन याचिका पर कोर्ट ने वकालतनामे पर किए हस्ताक्षर की हस्तलेख विशेषज्ञ से जांच कराने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने कहा कि याचिका में लगाए गए आरोपों ने अदालत के जमीर को झकझोर दिया है। सुनवाई के दौरान विवाद उस वकालतनामे को लेकर सामने आया, जो एक अधिवक्ता ने सत्यापित किया था। हालांकि, पिछली सुनवाई में उन्होंने कोर्ट को बताया था कि हस्ताक्षर का सत्यापन उन्होंने नहीं, बल्कि उनके क्लर्क ने किया था। कोर्ट के आदेश पर याची शिव शंकर सिंह यादव और भोला सिंह यादव व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। शिव शंकर सिंह ने अदालत में कहा कि उन्होंने मौजूदा मामले में कभी उन्हें अधिवक्ता नियुक्त नहीं किया। अंतिम बार 21 जनवरी को केवल एक अन्य याचिका में जवाबी हलफनामा दाखिल कराने के लिए उनके चैंबर गए थे।

गाड़ी वाले बोल... कब कचरा निकालूं

प्रयागराज। घर-घर कूड़ा उठाने की योजना शहर में चरमरा गई है। दरअसल, कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां कई मोहल्लों में रोजाना पहुंच नहीं रही हैं। कुछ मोहल्लों में गाड़ियां पहुंच भी रही हैं तो उनका समय तय नहीं है। जब-तब पहुंचकर चुपके से निकल जाती हैं। गाड़ियों में बजने वाला गाना... ''गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल'' सुनाई नहीं पड़ता। इससे लोगों को घर से कूड़ा निकालने का मौका ही नहीं मिलता। घरों में कूड़ा दो-दो दिन रखा रहता है। अब तो कचरा उठाने वाली गाड़ियों के लिए ये लाइन ज्यादा सटीक बैठती है कि... गाड़ी वाले बोल, कब कचरा निकालूं। मजबूरी में लोग सड़क के किनारे या फिर खाली प्लॉट में फेंक देते हैं। बाद में मवेशी इसी कूड़े को सड़क में फैला देते हैं। हवा चलने से भी कूड़ा मोहल्ले और गलियों में फैल जाता है। इस वजह से लगभग पूरा शहर गंदगी की समस्या से जूझ रहा है। बारिश होने पर यह समस्या गंभीर हो जाएगी। जलभराव के बाद जब कूड़ा सड़कों-गलियों में उतराएगा तो बीमारियां फैलने का डर बना रहेगा। बेनीगंज, चकिया, आनंदपुरम, लूकरगंज, राजरूपपुर, कालिंदीपुरम, खुल्दाबाद, हिम्मतगंज, रसूलाबाद, प्रीतम नगर, मुंडेरा सहित कई इलाकों में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी रोजाना नहीं पहुंच रही है। सिविल लाइंस, मेंहदौरी, अल्लापुर, बाघम्बरी गद्दी, दारागंज, बहराना, शिवकुंटी, तेलियरगंज, गोविंदपुर, मधवापुर, रामबाग, राजापुर, कीडगंज व कई अन्य मोहल्लों में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी के आने का कोई समय तय नहीं है। नगर निगम में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान पार्षदों ने घर-घर कूड़ा उठाने वाली संस्था के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने व्यवस्था को तत्काल बदलने की मांग उठाई। प्रदर्शन में पूर्व पार्षद मुकुंद तिवारी व पार्षद कमलेश तिवारी मांगों से संबंधित ज्ञापन नगर आयुक्त को सौंपा।

कूड़ा उठाने वाली गाड़ी रोज नहीं आती है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। -सूरज कुमार, राजापुर

घरों का कूड़ा सड़कों पर आ गया है। पता नहीं कैसे काम चल रहा है। -चेतानू केसरवानी, कीडगंज

कूड़ा उठाने में लापरवाही हो रही है। दोनों कार्यदायी संस्था को हटा देना चाहिए। -कमलेश तिवारी, पार्षद

घर-घर कूड़ा उठाने के मामले में संस्था का दम निकल गया है। ऐसी संस्था को तत्काल हटा देना चाहिए। - मीनू तिवारी, पार्षद

गाड़ियां व सारी व्यवस्थाएं नगर निगम की हैं। ऐसे में किसी कार्यदायी संस्था को काम देने से अच्छा है खुद नगर निगम कूड़ा उठाने की जिम्मेदारी संभाले। - विनय मिश्रा, पार्षद

घर-घर कूड़ा उठाने के मामले में लापरवाही की बात सामने आई है। कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। जोन-तीन और चार में नई कार्यदायी संस्था का चयन हो रहा है। अगर यही हाल रहा तो अन्य जोन में भी कार्यदायी संस्था को बदला जाएगा। - सीलम साई तेजा, नगर आयुक्त

मौत के मुहाने पर डगमगाया प्यार, यमुना में कूदा प्रेमी.... ठिठक गई प्रेमिका

प्रयागराज। नैनी के नए यमुना पुल पर बुधवार दोपहर एक प्रेमी जोड़ा आत्मघाती कदम उठाने के इरादे से पुल पर पहुंचा लेकिन ऐन वक्त पर प्रेमिका के कदम रुक गए। प्रेमी ने अकेले ही यमुना में छलांग लगा दी, जबकि युवती मौके से चुपचाप चली गई। जल पुलिस ने समय रहते युवक को बचा लिया। पुलिस के अनुसार, युवक की पहचान अन्नू गुप्ता पुत्र राधेश्याम गुप्ता, निवासी मेजा खास के रूप में हुई है। युवती की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बुधवार दोपहर करीब चार बजे सफेद रंग की स्कूटी से अन्नू और युवती नए यमुना पुल पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी दौरान युवक ने युवती का हाथ पकड़कर साथ में यमुना में कूदने की कोशिश की। युवती ने अपना हाथ छुड़ा लिया और पीछे हट गई। इसके बाद युवक ने अकेले ही नदी में छलांग लगा दी। युवक को नदी में गिरता देख राहगीरों ने शोर मचाया और तत्काल जल पुलिस को सूचना दी। मौके पर मौजूद जल पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची कीडगंज पुलिस को पुल पर स्कूटी लावारिस हालत में मिली, जिसे कब्जे में ले लिया गया है।

संप्रेक्षण गृह में किशोर से मारपीट के लिए सहायक अधीक्षक व पाली इंचार्ज जिम्मेदार

प्रयागराज। राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) में 20 जून को किशोर के साथ हुई मारपीट में जांच कमेटी ने रिपोर्ट जिलाधिकारी मनीष कुमार को सौंप दी है। कमेटी ने घटना के लिए सहायक अधीक्षक और पाली इंचार्ज को जिम्मेदार माना है। किशोर से मारपीट के मामले में जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की थी जिसमें जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रामशंकर पटेल व प्रवक्ता मनोविज्ञानशाला डॉ. असित कुमार मौर्य को शामिल किया गया था। कमेटी ने संस्था में आवासित बच्चों, घटना के समय संस्था में उपस्थित कर्मचारियों, स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती किशोर का इलाज करने वाले चिकित्सक के बयान और 20 जून 2026 की सीसीटीवी फुटेज की जांच के आधार अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में यह सामने आया कि सहायक अधीक्षक राकेश कुमार चौरसिया ने पूर्व में आवासित बच्चों के बीच हुई बहस व गालीगलौज की घटना को गंभीरता से लिया होता तो दोबारा मारपीट न होती।

वहीं, मारपीट की घटना के बाद पाली इंचार्ज प्रदीप कुमार, केयर टेकर ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। वह केवल शिकायतकर्ता बालक व उसके परिवार को समझाने और किसी तरह मामले को समाप्त करते हुए दिखाई दिए जो घटना के प्रति उनकी उदासीनता को प्रदर्शित करता है। कमेटी ने संप्रेक्षण गृह में सीसीटीवी के फुटेज का स्टोर एक सप्ताह से बढ़ाकर एक माह तक किए जाने का सुझाव दिया है।

इसके अलावा कमेटी ने बच्चों के लिए प्रयोग में लाए जा रहे कमरों के अतिरिक्त अन्य कमरों की संख्या बढ़ाए जाने और नए कैमरे लगाए जाने की सिफारिश भी की है। हालांकि, कमेटी ने सीधे तौर सहायक अधीक्षक व पाली इंचार्ज को दोषी नहीं ठहराया है, क्योंकि शिकायतकर्ता किशोर के साथ पूर्व में हुई मारपीट की पुष्टि शिकायतकर्ता बालक के कक्ष में मौजूद अन्य बच्चों, भर्ती कराने ले गए कर्मचारी व अस्पताल में इलाज करने वाले चिकित्सक के बयान से नहीं हुई है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज समहन उरूवा प्रयागराज मे तीन नए शिक्षकों की तैनाती

प्रयागराज। मेजा तहसील की उरुवा ब्लाक के समहन गांव में स्थित राजकीय विद्यालय दिनों दिन विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। आधुनिक शिक्षा पद्धति की सभी संरचनाओं (इंफ्रास्ट्रक्चर) से सुसज्जित यह विद्यालय दिनों दिन विकास की नई इबारत लिख रहा है। पिछले सत्र से ही अवसंरचना के विकास के साथ ही पठन–पाठन तथा अन्य शैक्षिक गतिविधियों के संदर्भ में यह विद्यालय दिनों दिन उन्नति कर रहा है। स्थापना काल से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहा यह विद्यालय अब शिक्षक संख्या के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है। पिछले हफ्ते प्रवक्ता–इतिहास के पद पर मनोज मिश्रा, प्रवक्ता–अर्थशास्त्र के पद पर कमल सिंह तथा अंग्रेजी विषय की सहायक अध्यापिका जरीना बानो ने कार्यभार ग्रहण किया। इस तरह अब विद्यालय में गणित, अंग्रेजी और विज्ञान जैसे प्रतिष्ठित विषयों के शिक्षक उपलब्ध हो गए हैं। इस विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मोहम्मद रफीक 2021 बैच के पीईएस अधिकारी हैं जो अपने निर्देशन में विद्यालय को नित नई ऊंचाइयां पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन हो पर विशेष फोकस है, जिसके कारण उरुवा ब्लाक का यह की हिंदी की सहायक अध्यापिका श्रीमती गरिमा का स्थानांतरण

रहा है। प्रयागराज के जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर संतोष कुमार राय का भी शैक्षिक गतिविधियों एवं पठन – पाठन राजकीय विद्यालय अब क्षेत्र के अग्रणी शैक्षिक संस्थानों की कतार में खड़ा होता हुआ नजर आ रहा है। पिछले दिनों इस विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज प्रयागराज में हो गया फिर भी सभी विषय के शिक्षकों के मामले में अब यह विद्यालय आत्मनिर्भर बन चुका है।

भयहरण नाथ धाम में 19वां सामाजिक सत्याग्रह 19 जुलाई को

बकुलाही नदी के अधूरे सरकारी कार्यो की पूर्णता हेतु होगा रचनात्मक सामाजिक प्रयास

बकुलाही की प्राचीन धारा के मुहाने की शुरू होगी सफाई

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति व मनमानेपन से मुक्ति हेतु 19 जुलाई को 19 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आयोजित किया जाएगा। सत्याग्रह मे बकुलाही नदी के अधूरे सरकारी कार्यों की पूर्णता के लिए पुरजोर मांग के साथ सामूहिक श्रमदान साझा संसाधन व श्रम से प्रारंभ होगा। यह सामूहिक सत्याग्रह गत 15 मार्च से निरंतर प्रत्येक रविवार को जारी है।

यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि वर्ष 2011 से प्रारम्भ हुआ बकुलाही पुनरोद्धार कार्य निरंतर सरकार व समाज के साझा प्रयास से जारी है। परंतु राजनीतिक उदासीनता से प्रस्तावित योजनाएं अधर में पड़ी हैं और प्राचीन धारा के लोग पानी न जाने के कारण प्यासे व्याकुल हैं। ऐसे में धाम को कब्जा मुक्ति की मुहिम के साथ भोले नाथ महादेव व बकुलाही मैया का पूजन करके सामूहिक श्रमदान कर रचनात्मक सामाजिक प्रयास प्रारंभ किया जाएगा। नदी की प्राचीन धारा में इस बरसात जल प्रवाहित किया जाएगा।

धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान से मोती लाल चौधरी, कटरा गुलाब सिंह नागरिक परिषद के महामंत्री राजीव नयन मिश्र व भारतीय किसान यूनियन अम्बवता के प्रदेश प्रवक्ता भानु सिंह, जिला प्रभारी जलालुद्दीन तथा महिला शाखा की प्रभारी नीतू जी ने सभी क्षेत्रीय सम्मानित नागरिकों व किसान बंधुओं से इस सामाजिक कार्य में फावड़ा व कुदाल के साथ सहभागिता की अपील की है।

जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी-अनुप्रिया

2027 के विधानसभा चुनाव पर टिकी हैं निगाहें

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर तमाम छोटी–बड़ी पार्टियां मैदान में उतर चुकी हैं। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि उनका लक्ष्य सिर्फ मंत्री बने रहना नहीं बल्कि भविष्य में यूपी में अपना दल एस की सरकार बनाना है। उन्होंने सामाजिक न्याय पर बात करते हुए प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण की मांग की है। उन्होंने कहा है कि वह राजनीति में केवल मंत्री बनने के लिए नहीं आई हैं, बल्कि पार्टी का झंडा बुलंद करने आई हैं। आरक्षण के मुद्दे पर अनुप्रिया पटेल ने अपनी पार्टी का रुख एकदम साफ कर दिया है। बोली, ‘जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी’ उनकी पार्टी का सबसे बड़ा मूल मंत्र है।उन्होंने मांग की है कि दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोगों को केवल सरकारी नौकरियों या प्रशासन में ही नहीं, बल्कि न्यायपालिका और मीडिया जैसे प्राइवेट सेक्टर में भी प्रतिनिधित्व और जगह मिलनी चाहिए।अपना दल का प्रभाव पूर्वांचल के कई इलाकों में काफी गहरा है। प्रतापगढ़ से लेकर जौनपुर, बनारस, मिर्जापुर और सोनभद्र तक फैली कुर्मी बेल्ट में पार्टी का दबदबा है। 2000 में सिर्फ एक विधायक से शुरू हुआ पार्टी का सफर

आज काफी आगे बढ़ चुका है। अनुप्रिया पटेल की पार्टी वर्तमान में केंद्र और राज्य में एनडीए गठबंधन का एक अहम हिस्सा है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी उनके इसी गठबंधन के साथ रहने की उम्मीद है।बीजेपी हिंदू एकता की बात करती है तो उनकी प्रमुख सहयोगी अनुप्रिया पटेल जातीय जनगणना और जाति के आधार पर सामाजिक न्याय की मांग करती हैं।

काशी विश्वनाथ धाम एवं बनकटी हनुमान मंदिर में उप मुख्यमंत्री ने किए दर्शन-पूजन

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज वाराणसी पहुंचे। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर देवाधिदेव महादेव भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग के दर्शन एवं विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के श्रीचरणों में प्रदेश की सुख–समृद्धि, शांति, उन्नति एवं समस्त प्रदेशवासियों के सर्वकल्याण की मंगलकामना की। श्री मौर्य ने कहा कि श्काशी विश्वनाथ धाम में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग के दर्शन व पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशीपति बाबा विश्वनाथ से प्रदेशवासियों के सर्वकल्याण की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा कि काशी केवल आस्था का ही नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, अध्यात्म और सभ्यता का भी महान केंद्र है। बाबा विश्वनाथ की कृपा से समूचे प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और विकास का वातावरण बना रहे तथा प्रत्येक नागरिक का जीवन खुशहाली से परिपूर्ण हो, यही उनकी कामना है।

श्री मौर्य ने वाराणसी स्थित बनकटी हनुमान मंदिर पहुंचकर प्रभु हनुमंत लाल जी महाराज के दिव्य दर्शन एवं पूजन–अर्चन किया। उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के श्रीचरणों में प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख–समृद्धि तथा मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

संक्षिप्त

पंकज चौधरी ने जताया निधन पर शोक

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पत्रकार कमल तिवारी की पूज्य माता जी उमा तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

कल लखनऊ आयेंगे बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार

लखनऊ (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड के विधायक दल के नेता, बिहार सरकार के मंत्री ग्रामीण विकास, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी श्रवण कुमार 18 जुलाई को लखनऊ आ रहे है। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद उत्तर प्रदेश में यह उनका पहला आधिकारिक दौरा होगा। मुख्य कार्यक्रम सहकारिता भवन में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक है, जिसमें श्रवण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल करेंगे।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठ और टेरर फंडिंग पर ईडी का बड़ा एक्शन, यूपी समेत 13 ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ (संवाददाता)। प्रवर्तन निदेशालय ने आतंकवाद के वित्तपोषण और अवैध घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े धनशोधन मामले में गुरुवार को राज्य के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य जगहों पर लगभग 13 ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि ईडी का यह धनशोधन मामला 2024 में उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते की उस प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें एक ऐसे संगठित गिरोह का जिक्र है जो कथित तौर पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ कराने, उनके लिए जाली भारतीय पहचान दस्तावेज बनवाने और देश के अलग–अलग हिस्सों में उन्हें बसाने में मदद करने में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि एटीएस की जांच में एक जटिल वित्तीय नेटवर्क का खुलासा हुआ जिसमें कुछ परमार्थ न्यास और संस्थाएं शामिल हैं, जिन पर कथित तौर पर विदेशी चंदा प्राप्त करने और राशि अवैध गतिविधियों को संचालित करने में मदद के लिए कई बैंक खातों, बिचौलियों के खातों और जटिल लेनदेन के माध्यम से स्थानांतरित करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान संदिग्ध लाभार्थियों द्वारा नकद निकासी और कम मूल्य के अंतरण किए जाने की भी जानकारी मिली।

8 स्मारकों पर अनुरक्षण कार्य हेतु 14 करोड़ 81 लाख 81 हजार 200 रुपये अवमुक्त

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य संरक्षित 8 स्मारकों पर वृहद अनुरक्षण कराये जाने के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 के बजट में प्राविधानित 14 करोड़ 81 लाख 81 हजार 200 रुपये अवमुक्त कर कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल द्वारा जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ के खाते में जमा करा दी गई है। इस धनराशि से झांसी, ललितपुर, फिरोजाबाद, शामली तथा लखनऊ में स्थित स्मारकों पर वृहद अनुरक्षण कार्य कराये जायेंगे। ये प्राचीन स्मारक हमारी सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र हैं। हमारी विरासत का हिस्सा हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि झांसी स्थित डिमरौनी गढ़ी के वृहद अनुरक्षण कार्य के लिए 3 करोड़ 46 लाख 51 हजार 520 रुपये, ललितपुर स्थित मर्दनसिंह की बैठक में वृहद अनुरक्षण कार्य के लिए 1 करोड़ 42 लाख 65 हजार 860 रुपये, इसी जनपद के लक्ष्मणगढ़ मन्दिर पिपराई ललितपुर के कार्य के लिए 55 लाख 40 हजार 920 रुपये तथा रणछोण मन्दिर धोजारी के लिए 28 लाख 55 हजार रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई है। झांसी के ठाकुरपुरा गढ़ी पर वृहद अनुरक्षण कार्य हेतु स्वीकृत 4 करोड़ 88 लाख 98 हजार 80 रुपये की धनराशि, फिरोजाबाद जनपद के चन्द्रवाड़ का किला पर वृहद अनुरक्षण कार्य करने के लिए 1 करोड़ 60 लाख 69 हजार की धनराशि, शामली जनपद के प्राचनी गुम्बद पर वृहद अनुरक्षण कार्य हेतु 1 करोड़ 70 लाख 20 हजार रुपये तथा लखनऊ स्थित बड़ा शिवाला पर वृहद अनुरक्षण कार्य के लिए 88 लाख 88 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कराते हुए जैन विद्या शोध संस्थान के खाते में जमा करा दी गई है। ये स्मारक पुरातात्विक महत्व के हैं। इनका निर्माण अनूठी शैली में किया गया है। स्थापत्य कला के अदभुत नमूने हैं। इनको संरक्षित कर भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक चेतना और गौरव की अनुभूति कराना है। ये पुराने निर्माण अपने में एक लम्बा इतिहास समेटे हुए हैं। इनको आकर्षक रूप दे कर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आकर्षित करना भी है। बुनियादी सुविधाएं सुलभ कराना है। प्रदेश में प्राचीन स्मारकों, किलों, धार्मिक स्थलों तथा ऐतिहासिक महत्व के भवनों को सहेजा जा रहा है, इन स्मारकों से आसपास के लोगों की स्मृति जुड़ी हुई है। राज्य सरकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आम जनता के उपयोगार्थ प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

भाजपा बूथ सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंथन

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर ने आगामी विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में बैठक की गई। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां, जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही मंडल स्तर के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि पार्टी की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर सक्रिय, प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक ताकत हैं। उनके अनुसार विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का अभियान है। उन्होंने मंडल अध्यक्षों, महामंत्रियों और बूथ पदाधिकारियों से अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध ढंग से निर्वहन करने तथा सम्मेलन में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। उन्होंने कहा कि महानगर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। उन्होंने मंडलों को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से यह सम्मेलन संगठन की शक्ति और एकजुटता का प्रभावी प्रदर्शन बनेगा।

बादल जंगल ढूँढते

बादल जंगल ढूँढते, जंगल ढूँढे पेड़।
मानव ने हँसकर कहा, पेड़ खा गई भेड़।
पेड़ खा गई भेड़, न इसमें शक गुंजाइश।
पकड़ो अपनी राह, न करो मत अब फरमाइश।
सुनकर कहे प्रदीप,जवाब मिला मुकम्मल।
परेशान इन्सान, हँस रहे नभ में बादल।।

सावन की रिमझिम झिरी, ढूँढ रही चहुँ ओर।
जाने क्यों जुगनू नहीं, करते रात अजोर।
करते रात अजोर,जला जब बिजली अपनी।
झींगुर गाते गीत, बजाते दादुर ढपली।
सुन लो कहें प्रदीप, हुए जब सभी महाजन।
उत्तर देगा कौन,पूछता सबसे सावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी में उमस भरी गर्मी से मिलेगी राहत, 19 से 22 जुलाई तक झमाझम बारिश का अलर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अगले एक सप्ताह के दौरान मानसूनी गतिविधियां लगातार सक्रिय रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 19 जुलाई से पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्षा की तीव्रता बढ़ेगी और कई स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 19 जुलाई से व्यापक वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश तथा वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग द्वारा गुरुवार को जारी 7 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 16 और 17 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं से कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। 18 जुलाई से वर्षा की गतिविधियां तेज होने लगेंगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर बारिश होगी, जबकि पश्चिमी हिस्से में भी कई स्थानों पर वर्षा का क्रम शुरू हो जाएगा। पूर्वानुमान के अनुसार 19 से 22 जुलाई के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में लगभग सभी स्थानों पर गरज–चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अनेक स्थानों पर बारिश होगी, जिससे मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय बना रहेगा। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 16 जुलाई को प्रदेश के दोनों हिस्सों में कहीं–कहीं उमस भरी गर्मी बनी रह सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसी दिन कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ वज्रपात की भी आशंका है। 17 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए इस दिन कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। 18 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं–कहीं मेघगर्जन और वज्रपात की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 19 से 22 जुलाई तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ वज्रपात की आशंका बनी रहेगी। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस दौरान कहीं–कहीं भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर नहीं जाने तथा बिजली चमकने के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आगामी दिनों में मानसून की सक्रियता बढ़ने से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होने के आसार हैं, जिससे खरीफ फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी। हालांकि भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में जलभराव और स्थानीय स्तर पर जनजीवन प्रभावित होने की भी आशंका है।

पूर्व एमएलए के बेटे को नहीं मिल रही दुकान, 28 साल से एलडीए दफ्तर में दौड़ रहे

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) कार्यालय में गुरुवार को जनता अदालत लगी। इसमें पूर्व दिवंगत अच्छे लाल वाल्मीकि के बेटे भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि 28 साल से वह दुकान के लिए दौड़ रहे हैं। उस दुकान का आवंटन दूसरे के नाम कर दिया गया था। आज तक उनके नाम दुकान का आवंटन नहीं किया गया। कई अन्य फरियादी भी पहुंचे। ज्यादातर फरियादी स्व। की कमियों के आरोप लगा रहे थे। एक फरियादी ने बताया कि उसने प्लॉट की रजिस्ट्री 2024 में करा ली। वह जब उसमें घर बनाने गया गए तो पता चला कि कुछ लोगों ने उनके प्लॉट को अपने में मिलाकर वहां स्कूल बना लिया है। एक अन्य ने बताया कि 10 साल से घर की रजिस्ट्री ही नहीं हो रही है। जनता अदालत में पहुंचे पूर्व एमएलए दिवंगत अच्छे लाल वाल्मीकि के बेटे कौशल कुमार वाल्मीकि ने भी अपनी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 1998 में डालीगंज के रामनगर क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के दौरान उनकी दुकानें तोड़ दी गई थीं। उसके बाद उन्होंने तत्कालीन मंत्री स्वर्गीय लालजी टंडन से शिकायत की थी। लालजी टंडन ने विस्थापित कोटे से दुकान आवंटित किए जाने की बात कहते हुए एलडीए उपाध्यक्ष को पत्र भी लिखा था। कौशल कुमार का आरोप है कि इसके बावजूद एलडीए ने दुकानों का आवंटन अन्य किरायेदारों के नाम कर दिया। आपत्ति दर्ज कराने पर अधिकारियों ने पहले किए गए आवंटन को निरस्त कर उनके नाम दुकान आवंटित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में आवंटन के लिए निर्धारित धनराशि भी जमा करा दी गई, लेकिन 20 साल बाद भी उन्हें दुकान का आवंटन नहीं मिल सका। एलडीए अधिकारियों ने कई बार शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/32 दिनांक 14.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ०म०रे०, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 63265643	मात्रा : 3000 MT
संक्षिप्त विवरण : मैन्युफैक्चर एण्ड सप्लाइ ऑफ 53-S ग्रेड ऑर्डिनरी पोर्टलैण्ड सिमेन्ट टू बीआईएस स्पेसिफिकेशन IS-269, 2015 एज अमेन्डेड अप टू डेट ऑफ टेण्डर ओपनिंग।	
निविदा खुलने की तिथि : 07.08.2026	
निविदा संख्या : 30262124	मात्रा : 25118 सेट
संक्षिप्त विवरण : नॉन एस्बेस्टस बेस्ड ऑर्गेनिक ब्रेक पैड्स फॉर एलएचबी टाईप कोचेज।	
निविदा खुलने की तिथि : 11.08.2026	
निविदा संख्या : 30262030U	मात्रा : 163 नग
संक्षिप्त विवरण : सेंकेंडरी स्प्रिंग (आउटर) फॉर उम्नेटर साइड-1	
निविदा खुलने की तिथि : 18.08.2026	

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

1612/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONC

सम्पादकीय.....

'रैड कॉरिडोर' से वापसी का रास्ता

सालों तक, दक्षिण बस्तर के जंगलों में रहने वाले ग्रामीण उसका नाम लेने से कतराते थे। माओवादी आंदोलन के इस गढ़ में, पापा राव उसके वर्चस्व का प्रतीक था। किसी गांव में उसकी मौजूदगी यह तय कर सकती थी कि किससे पूछताछ की जाएगी, किसे सजा दी जाएगी और सुरक्षा एजैंसियों के अनुसार, कौन पुलिस का मुखबिर होने के लगातार संदेह के साए में जिएगा। डर ही उसका सबसे बड़ा हथियार था। हालांकि, आज वह डर अपनी वफादारी बदल चुका है। पापा राव को अब सुरक्षा बलों द्वारा पीछा किए जाने का डर नहीं है। इसकी बजाय, उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उन्हीं पुलिस और अर्धसैनिक बलों पर है, जिनसे उसने सालों तक लड़ाई लड़ी थी। यह बदलाव इसलिए नहीं है क्योंकि अतीत मिट गया है, बल्कि इसलिए है, क्योंकि उस अतीत के परिणाम अपरिहार्य हो गए हैं। जो ग्रामीण कभी माओवादी प्रभाव में रहते थे, उन्होंने उसे माफ नहीं किया। पंचायत सदस्य भूमिगत आंदोलन के दौरान उसके वर्षों से जुड़ी हिंसा को लेकर गहरा आक्रोश रखते हैं। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि बिना सुरक्षा के, उसकी जान को खतरा पुलिस से नहीं, बल्कि उन लोगों से होगा, जिन्हें लगता है कि कभी न्याय नहीं मिला। उनका कहना है कि पीड़ितों में से कई सामान्य ग्रामीण थे, जिन पर पुलिस मुखबिर होने का झूठा आरोप लगाया गया था। कुछ तो किशोर थे। इसके जवाब में, प्रशासन ने एक असामान्य रुख अपनाया है। अधिकारियों ने ग्रामीण नेताओं से संपर्क किया और उनसे बदला न लेने का आग्रह किया है। उनका संदेश सीधा है–एक बार जब कोई विद्रोही औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर देता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार पर आ जाती है। कोई इस नीति से सहमत हो या नहीं, यह पुनर्वास के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को दर्शाता है कि हथियार डालने वालों से किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए, यदि दूसरों से भी ऐसा ही करने की उम्मीद की जाती है। माओवादी संगठन के रैंकों में पापा राव का उभार लगातार प्रगति के साथ हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक एरिया कमेटी सदस्य के रूप में की और बाद में 2025 में दक्षिण उप–जोनल कमांडर के पद पर पहुंचे। सुरक्षा एजैंसियां उन पर वर्षों से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) और सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) सहित कानून प्रवर्तन एजैंसियों के खिलाफ कई हमलों में बड़ी भूमिका निभाने का आरोप लगाती हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप कुल मिलाकर 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। हालांकि, 2026 की शुरुआत तक, जिस संगठन को उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था, वह अभूतपूर्व तनाव का सामना कर रहा था। महीनों तक चले लगातार उग्रवाद–विरोधी अभियानों ने माओवादी संरचनाओं के लिए उपलब्ध परिचालन क्षेत्र को काफी कम कर दिया था। वरिष्ठ नेताओं को हत्या, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण सहित विभिन्न तरीकों से समाप्त किया जा रहा था। इकाइयों के बीच संचार तेजी से कठिन होता जा रहा था और रैंकों में अनिश्चितता फैल गई थी। जिस आत्मविश्वास ने कभी आंदोलन को जीवित रखा था, उसने इसके दीर्घकालिक अस्तित्व को लेकर संदेहों को जन्म दे दिया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, पापा राव और 18 अन्य माओवादियों ने 24 मार्च, 2026 को आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षा अधिकारी इस घटना को हाल के वर्षों में उग्रवाद के लिए सबसे बड़े झटकों में से एक मानते हैं। अपने तत्काल प्रभाव से परे, इसने माओवादी रैंकों को यह संदेश दिया कि अनुभवी कमांडर भी अब आश्वस्त नहीं थे कि आंदोलन अनिश्चित काल तक खुद को बनाए रख सकता है। बाद के महीनों में, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में और अधिक कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। पुनर्वास प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, सरकार ने पापा राव को कड़ी निगरानी में रखा है। यद्यपि वह अपने ऊपर घोषित इनाम राशि (25 लाख रुपए) के साथ–साथ अपनी ए.के.–47 राइफल सौंपने के लिए 3 लाख रुपए प्राप्त करने के पात्र हैं, लेकिन ये लाभ पुनर्वास ढांचे के साथ उनके निरंतर अनुपालन पर निर्भर हैं। अधिकारी उन्हें पूरी तरह से पुनर्वासित मानने से पहले उनके आचरण की निगरानी करने का इरादा रखते हैं। यह रेखांकित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि उनके आत्मसमर्पण को दोषमुक्ति नहीं समझा जाना चाहिए। एक आत्मसमर्पण पीड़ितों द्वारा झेली गई पीड़ा या अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के दर्द को मिटा नहीं सकता। इसके अलावा, यह भूमिगत रहने के दौरान उनके कार्यकाल में की गई ड्क्षहसा के आरोपों को भी खारिज नहीं करता। हालांकि, उनके आत्मसमर्पण का महत्व किसी एक कमांडर के भाग्य से कहीं अधिक बड़ा है। यह एक नए चरण में प्रवेश कर रहे संघर्ष को दर्शाता है–ऐसा चरण, जहां कभी डर के बल पर चलाया जाने वाला वर्चस्व अब कमजोर हो रहा है, जहां कभी अपनी शर्तें तय करने वाले कमांडर सशस्त्र संघर्ष की बजाय बातचीत का विकल्प चुन रहे हैं।

संघ को चंपत राय की चपत

अरविन्द मोहन

जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार याचिकाओं को साथ जोड़कर विचार करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट की चोरी संबंधी जांच ट्राइब्यूनल से रिपोर्ट की मांग की उससे ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चढ़ावा चोरी पर दुख जाहिर किया और तीर्थ क्षेत्र न्यास की शिकायत पर हो रही जांच पर संतोष जताया। तुषार मेहता उस दिन भी अदालत में यही गुहार लगाते रहे कि वह केंद्र को बयान का निर्देश न दे। हम जानते हैं कि चढ़ावा चोरी मामले के सवा महीने पहले हुए खुलासे के बाद से केंद्र सरकार और उसके मुखिया नरेंद्र मोदी ने, जिन्होंने मंदिर का उद्घाटन करने से लेकर न्यास के लिए खास कानून बनवाने में विशेष रुचि दिखाई थी, इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोला है। इस मामले पर भाजपा टीवी डिबेट में अपने प्रवक्ता भेजने से भी बचती रही है और कुछ संघ विचारकों और राजनीतिक विचारकों के सहयोग से ही उसका पक्ष आता रहा है। भाजपा और केंद्र सरकार की चुप्पी के बीच आरएसएस की तरफ से आया बयान कई मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि सौ साल के इतिहास में वह पहली बार इस तरह से किसी बड़े और चर्चित हिन्दू मामले में श्फंसाश दिखता है। भाजपा तथा उसके नेताओं ने राममंदिर की राजनीति का चाहे जितना उपयोग किया हो सीधे फंसने वाले सारे तार संघ से ही जुड़े दिखते हैं। बात सिर्फ चंपत राय, अनिल मिश्र और गोपाल राव जैसों का ही नहीं है, जिन आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है उनमें से ज्यादातर के तार संघ के लोगों या उनके द्वारा बनाई संस्थाओं से जुड़े हैं और वहां से उनको ठेके पर चोरी वाले धंधे में लगाया गया था। कंबल ओढ़कर घी पीने के अभ्यस्त संघी नेताओं की ऐसी सीधी भागीदारी प्रायरू किसी घोटाले में नहीं दिखती। वह सब मंत्रियों, संतरियों, सांसदों, विधायकों के मत्थे चला जाता था। इसीलिए संघ के शताब्दी वर्ष पर हुए तीन दिवसीय बेलगावी चिंतन बैठक के बाद संघ विस्तार योजना, दैनिक शाखा, संघ कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुंब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के सवाल पर क्या चर्चा हुई या शाखा विस्तार योजना में क्या कुछ तैयारी हुई, इसकी बात से ऊपर चढ़ावा चोरी पर आधिकारिक लाइन लेने और बताने की जरूरत महसूस की गई। संघ क्या है, क्या करता है अब सेवा का कितना और कैसा काम करता है और भाजपा तथा मोदी जी को सत्ता में लाने के काम में उसने क्या मदद की है, इसकी चर्चा यहां नहीं होगी। एक लाइन में बताना जरूरी है कि इधर संघ ने कोविड या बाढ़ या किसी प्राकृतिक आपदा में कोई काम किया हो यह नहीं मालूम पर भाजपा की सभाओं में ट्रैफिक संचालन से लेकर मतदान केंद्रों पर वोट डलवाने जैसे कामों में उसके स्वयंसेवक हर किसी को नजर आते हैं। फिर यह भी हुआ है कि घोषित रूप से किसी राम जी, किसी कृष्ण जी, किसी शिव जी की जगह उसे अपना ध्वज अपनी श्रद्धा का सबसे प्रमुख केंद्र लगता है और भारत माता ही उसके लिए सबसे बड़ी देवी रही हैं। राम मंदिर आंदोलन से लेकर नामांतरण और बूथ स्तर पर मतदाता सूची के संशोधन से लेकर केंद्र सरकार के गठन, राज्यपाल से लेकर विश्वविद्यालयों और मीडिया हाउसों की नियुक्ति–प्रोन्नति में उसका हाथ रहा है। बार–बार हुए पेपर लीक प्रकरण में साफ हुआ कि जिस संस्था को परीक्षा कराने का ठेका दिया जाता है उसके संचालन से लेकर प्राइवेट सिक्युरिटी एजेंसी और हर ठेके के काम के पीछे प्रकट और अप्रकट रूप में असली लाभार्थी उसके लोग ही हैं। राम मंदिर मामले में उसकी हर स्तर की भागीदारी और नियंत्रण ही नहीं भाजपा के साथ खेले जाने वाले खेल की हर परत साफ ढंग से सामने आ गई है और अगर उसमें चंदे की गड़बड़ से लेकर जमीन की रजिस्ट्री और चढ़ावा चोरी जैसा खुलासा हुआ है तो अब संघ न चंपत राय को पराया बता सकता है न अनिल मिश्र और दूसरे सभी महत्वपूर्ण आरोपियों को। कोई ज्यादा ऊंची कल्पना करता है तो नरेंद्र मोदी, अमित शाह, योगी, नृपेन्द्र मिश्र जैसे लोगों को असली सूत्रधार बताने तक पहुंचता है लेकिन मंदिर बनवाने से लेकर अभी तक संचालन के काम में चंपत राय जैसों की भूमिका को कौन अनदेखा कर सकता है। दिलचस्प यह है कि जो संघ खुलकर हिन्दू होने की बात भी करने से परहेज करता है वह उसके रामानुज पंथ के मंदिर निर्माण और संचालन में अपने श्तपे–तपाएश लोगों को लगाने में भी हिचक नहीं दिखाता। हजार नाम से काम करने वाले संगठनों के काम पर उंगली उठने से वह सीधे अपनी भूमिका से इनकार कर देता था।

बीच दिल्ली में विशाल दफ्तर बनाने और कायदे कानून की परवाह न करने जैसे अपराध की कोई माफी और अनदेखी हो सकती है राम के नाम पर घपले में यह संभव नहीं है। संयोग से राम मंदिर वह पहला सार्वजनिक मसला है जो अब साफ तौर से संघ के हाथ की चीज दिखता है। और सौ साल लाठी भांजने और न जाने क्या–क्या करने के बाद मिली इस पहली ही जिम्मेदारी में संघ इस बुरी तरह असफल हुआ है तो उसे भाजपा से भी पहले बयान देना जरूरी लगे इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है। संघ प्रमुख को अकेले इसी एक मामले को नहीं देखना चाहिए। उनको ध्यान देना चाहिए कि वे हिन्दू–मुसलमान सवाल पर पिछले काफी समय से क्या राय जाहिर करते हैं, हर मस्जिद के नीचे मंदिर के अवशेष न तलाशने की सलाह देते हैं तो उस पर संघियों ने ही कितना अमल किया है। और जिस भाजपा को सत्ता दिलाने में उसके स्वयंसेवक जी जान लगाते हैं उसके नेता संघ की कितनी परवाह करते हैं। एक भाजपा अध्यक्ष ने घोषित ही कर दिया की अब हमें संघ की जरूरत नहीं है तो संघ के लोगों को बुरा लगा लेकिन जब उससे पूछे या बताए बगैर लिटिल नवीन को अध्यक्ष बना दिया आज्ञा तो संघ को सिगनल समझना चाहिए था। और अब तो लगता है कि संघ भी उनकी कम ही सुन रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार चढ़ावा चोरी मामले में जो रुख अपनाए संघ को ऐसा उदाहरण पेश करना चाहिए जिससे लगे कि उसकी सौ साल की कवायद व्यर्थ न थी। इस मामले में सार्वजनिक धन की चोरी पर गांधी द्वारा दी गई सजायें नजीर बन सकती हैं जिसकी चर्चा फिर कभी।

पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है

देश की खराब कर दी गई शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को सुधारने और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन लगातार 25 दिनों से जारी है। इस आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक जंतर–मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनशन पर हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दिपके का कहना है कि सोनम सर खुद से न बैठ पा रहे हैं, न खड़े हो रहे हैं। जाहिर है उनकी बिगड़ती सेहत ने न केवल उनके समर्थकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि अब कई जानी–मानी हस्तियां भी सोनम वांगचुक के लिए फिक्रमंद हो रही है। अखिलेश यादव ने एक लंबी–चौड़ी पोस्ट लिखकर उनसे अनशन खत्म करने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, रोहित पवार, फारुख अब्दुल्ला, आतिशी, सांसद महुआ मोईत्रा, संजय सिंह, जॉन ब्रिटास, किसान नेता गुरुनाम सिंह चढूनी समेत हजारों लोगों ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया है और उनसे अनशन समाप्त करने की लगातार अपीलें हो रही हैं। लेकिन 59 वर्षीय वांगचुक अपने फैसले पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, श्मैंने जो शुरू किया है, उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना होगा। सोनम वांगचुक ने संदेश दिया है कि श्मैं बाहर से कमजोर हूं, लेकिन अंदर से मजबूत हूं।श खुद को महात्मा गांधी का अनुयायी बताते हुए वांगचुक कहते हैं कि वे गांधी के अहिंसक आंदोलन के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं और उसी तरह भूख हड़ताल के जरिए सरकार की अंतरात्मा को जगाना चाहते हैं। बेशक गांधीजी के सिद्धांतों की कोई काट ही नहीं है, लेकिन अंतरात्मा तो उसी की जगाई जा सकती है, जिसके भीतर यह विद्यमान हो। मौजूदा मोदी सरकार का निष्ठुर रवैया देखकर तो यह कतई उम्मीद नहीं दिखती कि उसे किसी की भी तकलीफ से कोई फर्क पड़ता है। नीट पेपर लीक होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा करवाए जाने के मानसिक तनाव में कितने होनहार युवाओं ने अपनी जिंदगी ले ली, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने संवेदना का एक शब्द नहीं कहा। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मुद्दे पर कोटा में राहुल गांधी द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज रैली के लिए कहा था कि उसमें दहशतगर्दों को तैयार किया जा रहा है, इसके साथ ही उन्होंने सीजेपी और उसके समर्थकों को श्विघटनकारी तत्वों की बी–टीमश बताते हुए कहा था कि उन्हें देश की तरक्की पर भरोसा नहीं है। जिन नेताओं को विरोध की आवाज पसंद नहीं और आंदोलन के लोकतांत्रिक हक को जो लोग देशविरोधी गतिविधि समझते हैं, ऐसे सत्ताधारी क्या खाक अंतरात्मा जैसे शब्दों के मायने समझेंगे। अभिजित दिपके ने कहा कि समझ नहीं आता कि सरकार देश के नागरिकों की बात को इतनी आसानी से क्यों खारिज कर रही है। हम सिर्फ जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। हमारी केवल इतनी मांग है कि जो शिक्षा मंत्री परीक्षाएं ठीक से नहीं करा सका, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। बेशक अभिजित दिपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं के लिए कहे गए कॉकरोच शब्द से आहत होकर कॉकरोच जनता पार्टी बना ली और इस मुहिम को सोशल मीडिया पर समर्थन भी खूब मिला। लेकिन जब वे जमीन पर आंदोलन करने उतरे हैं तो उन्हें अपनी राजनैतिक परिपक्वता भी दिखानी होगी और मुक्तिबोध के शब्दों को उधार लेकर कहें तो पार्टनर अपनी पॉलिटिक्स भी बतानी होगी। अभिजित दिपके को यह समझना चाहिए कि मौजूदा सरकार के तौरतरीके पिछली तमाम सरकारों से बिल्कुल अलग हैं। लोकतंत्र का चोगा तो नजर आता है, लेकिन भीतर धड़कनें अधिनायकवाद की हैं। देश में पहले भी कई आंदोलन हुए हैं, जिनमें जमकर सरकार की धज्जियां उड़ाई गई हैं। सबसे बड़ी मिसाल तो 2011 का अन्ना आंदोलन ही है, जिसकी वजह से यूपीए सरकार की विदाई हुई। तब 11 दिन अन्ना हजारे अनशन पर बैठे थे और इस बीच सरकार विरोधी सारी मुहिम के बावजूद मंत्री, नेता, पदाधिकारी लगातार अन्ना हजारे और उनकी टीम से मिलते रहे। लोकपाल विधेयक कैसा होना चाहिए इसका मसौदा तैयार करने में उनसे बाकायदा चर्चा की गई। दिन–रात डा.मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और गांधी परिवार को कोसा गया तो भी ऐसा नहीं हुआ कि आंदोलनकारियों को सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया। उस समय का मीडिया भी गुलाम नहीं था, लिहाजा उसने सातों दिन चौबीसों घंटे इस आंदोलन का प्रसारण किया। क्या आज जंतर–मंतर पर हम ऐसा होते देख रहे हैं। टुकड़ों–टुकड़ों में राजनैतिक दलों के लोग मंच पर जाकर अपनी सहानुभूति, समर्थन प्रकट कर रहे हैं, मगर वहां मंच और जमीन का फर्क समझ आ रहा है। जंतर–मंतर पर बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो जमीन पर हैं, और वहीं अनशन कर रहे हैं। इन लोगों को न किसी राजनैतिक दल का समर्थन मिल रहा है, न इनसे अनशन खत्म करने की बड़े पैमाने पर अपील हो रही है। मुख्यधारा का मीडिया भी कई दिनों तक यहां नदारद ही रहा, अब कुछेक तथाकथित स्टार पत्रकारों के पहुंचने पर थोड़ी बहुत हलचल दिख रही है। लेकिन अन्ना हजारे जैसे फ्रंट पेज से लेकर प्राइम टाइम तक पर छाए रहते थे, वो कवरेज न सोनम वांगचुक के लिए है, न बाकी अनशनकारियों के लिए। इसलिए अभिजित दिपके को पिछली सरकारों और मोदी सरकार का फर्क समझना होगा। इस आंदोलन के बरक्स ही छात्रों की गूंज आंदोलन भी कांग्रेस चला रही है, जिसे मीडिया में हमेशा की तरह कोई जगह नहीं मिल रही। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता लगातार सड़कों पर हैं, कहीं पुलिस की लाठियां खा रहे हैं, कहीं पानी की बौछारें झेल रहे हैं, यह सब भी पीड़ित छात्रों को इंसाफ दिलाने के लिए ही है। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन के कई नेताओं और पत्रकार सवाल कर रहे हैं कि राहुल गांधी सीजेपी को समर्थन देने क्यों नहीं आते। इनसे प्रतिप्रश्न किया जाना चाहिए कि यही सवाल वे अभिजित दिपके से क्यों नहीं करते।

क्या अभिजित दिपके ने अब तक छात्रों की गूंज आंदोलन को लेकर राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी नेता से कोई संपर्क किया है। और सवाल यह भी है कि अगर राहुल गांधी जंतर–मंतर पहुंचते हैं, तब भी क्या बदलने वाला है। वे प्रधानमंत्री तो हैं नहीं जो धर्मेन्द्र प्रधान को हटा दें। बेशक राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और इस नाते वे लगातार जनता के बीच पहुंचते ही हैं और अब भी पीड़ितों के लिए आवाज उठा ही रहे हैं। लेकिन हर बात में सवालों के तीर राहुल गांधी की तरफ मोड़ने से समस्या हल नहीं होगी, केवल असली मुद्दे से ध्यान भटकेगा। अभी यही हो रहा है, क्योंकि छात्रों को इंसाफ से ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि राहुल जंतर–मंतर जाएंगे या नहीं। जबकि यह वक्त सोनम वांगचुक का अनशन खत्म कराने और इस बात पर जोर देने का है कि मोदी सरकार को हर हाल में जिम्मेदारी लेने के लिए मजबूर किया जाए। इसके लिए बयानबाजी छोड़कर सबको एक साथ खड़े होने की जरूरत है।

सीएसडीएस विवादः प्रशासनिक जवाबदेही बनाम अकादमिक स्वायत्तता

अरुण कुमार डनायक

किसी भी लोकतंत्र में विश्वविद्यालयों और स्वतंत्र शोध संस्थानों का महत्व केवल ज्ञान उत्पादन तक सीमित नहीं होताय वे सार्वजनिक नीतियों की समीक्षा, सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतांत्रिक विमर्श को समृद्ध करने का कार्य भी करते हैं। ऐसे संस्थानों की विश्वसनीयता जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक उनकी जवाबदेही भी है। इसी संदर्भ में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के बीच उपजा विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। सीएसडीएस, जिसकी स्थापना 1963 में भारतीय राजनीतिक विज्ञान के अग्रणी विद्वान रजनी कोठारी ने की थी। उनके नेतृत्व में सीएसडीएस ने सर्वेक्षण–आधारित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को संस्थागत स्वरूप दिया। बाद में लोकनीति कार्यक्रम के माध्यम से चुनावी व्यवहार पर किए गए अध्ययन नीति–निर्माताओं, शोधकर्ताओं और मीडिया के लिए विश्वसनीय संदर्भ बने। आज भी श्लोकनीतिश कार्यक्रम भारत के सबसे विश्वसनीय चुनावी सर्वेक्षणों में गिना जाता है। सीएसडीएस की वित्तीय संरचना में आईसीएसएसआर का अनुदान केंद्रीय भूमिका निभाता है। संस्थान की कुल आय का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा इसी अनुदान से आता है और कर्मचारियों के वेतन का लगभग 90 प्रतिशत इसी पर निर्भर है। वर्ष 2024–25 में सीएसडीएस की कु ल आय 7.56 करोड़ रुपये रही, जिसमें से 6.29 करोड़ रुपये आईसीएसएसआर से प्राप्त हुए। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि संस्थान की स्थिरता और संचालन लगभग पूरी तरह से सरकारी सहायता पर आधारित है, और यदि यह अनुदान निलंबित होता है तो उसके शोध, प्रकाशन और मानव संसाधन पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। सीएसडीएस और आईसीएसएसआर के बीच विवाद की शुरुआत 2025 महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान हुई, जब प्रो. संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर मतदाता आंकड़ों में विसंगतियों का दावा किया। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि आंकड़ों की व्याख्या में त्रुटि हुई थी और सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी। इसके बाद आईसीएसएसआर ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएसडीएस को कारण बताओ नोटिस जारी किया और संस्थान की प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यप्रणाली की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी। जांच समिति ने सीएसडीएस की कार्यप्रणाली में कई प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत किया, जिनमें यूजीसी नियमों के विरुद्ध नियुक्तियां, निदेशक चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष का चुनाव समय पर न होना, मकान किराए भत्ते संबंधी नियमों का उल्लंघन तथा वार्षिक लेखों का समय पर ऑडिट न होना शामिल है। दूसरी ओर सीएसडीएस का कहना है कि उसे समिति की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई है। संस्थान का दावा है कि निदेशक की नियुक्तियां उसके ज्ञापन के अनुरूप हुई हैं और उसे अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। प्रशासनिक कार्रवाई और अकादमिक स्वतंत्रता के प्रश्न को लेकर सीएसडीएस विवाद दो विपरीत दृष्टिकोणों को सामने लाता है। सरकार का तर्क है कि यदि किसी अनुदान प्राप्त संस्थान में वित्तीय या प्रशासनिक अनियमितताएं पाई जाती हैं तो कार्रवाई करना उचित और आवश्यक है। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि महाराष्ट्र चुनावों के मतदाता आंकड़ों पर टिप्पणी के बाद हुई यह कार्रवाई स्वतंत्र शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस संदर्भ में शिक्षकों ने भी सामूहिक प्रतिक्रिया देते हुए सार्वजनिक प्रस्ताव पारित किया और चेतावनी दी कि अनुदान बंद होने से संस्थान का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 1975–77 के आपातकाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर में, जब कई अध्यापक सरकार के आलोचक थे, तब भी आईसीएसएसआर ने अनुदान नहीं रोका था। इस सम्पूर्ण मामले ने नया तूल तब लिया जब प्रो. संजय कुमार के विरुद्ध नागपुर और नासिक में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज हुई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उनके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई पर रोक लगाई। सीएसडीएस पर आईसीएसएसआर द्वारा अनुदान निलंबन की सिफारिश से उसके कर्मचारियों के वेतन और आय का अधिकांश भाग प्रभावित होता है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिरता और शोध गतिविधियां संकट में पड़ सकती हैं। इसके विपरीत सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) को दो वर्ष पूर्व विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम का लाइसेंस निलंबित होने और आयकर अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत कर–छूट समाप्त होने के कारण विदेशी फंडिंग बंद करनी पड़ी तथा कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ी।

वहीं सामाजिक विकास परिषद (सीएसडी) अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है और सरकारी व अंतरराष्ट्रीय सहयोग से अपना कार्य जारी रखे हुए है, क्योंकि वह कम राजनीतिक विवादों में उलझी है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि चाहे विवाद विदेशी फंडिंग का हो या सरकारी अनुदान का, प्रशासनिक और वित्तीय कार्रवाई सीधे संस्थानों की संरचना और शोध की स्वतंत्रता को प्रभावित करती है, और यही परिदृश्य भारत में स्वतंत्र शोध संस्थानों की स्वायत्तता के भविष्य को अनिश्चित बनाता है। भारत में स्वतंत्र शोध संस्थानों की स्वायत्तता और वित्तपोषण का भविष्य गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। देश का अनुसंधान एवं विकास व्यय अभी केवल 0.65 प्रतिशत जीडीपी है, जिसका प्रमुख कारण सरकारी अनुदानों पर अत्यधिक निर्भरता, निजी निवेश की कमी और सीमित वित्तीय स्रोत हैं। इस स्थिति में सुधार के लिए नीति आयोग ने अनुसंधान व्यय को जीडीपी के 2 प्रतिशत तक बढ़ाने, विश्वास–आधारित शासन प्रणाली, डिजिटल पारदर्शिता तथा सीएसआर निवेश को प्रोत्साहित करने जैसी सिफारिशें की हैं। ये सुझाव स्वागतयोग्य हैं, किंतु हाल के वर्षों में कुछ स्वतंत्र शोध संस्थानों पर हुई प्रशासनिक कार्रवाइयों के संदर्भ में यह प्रश्न भी उठता है कि कहीं जवाबदेही और पारदर्शिता के नाम पर अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित न हो। सुधारों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उन्हें कितनी निष्पक्षता से लागू किया जाता है। साथ ही, विकसित देशों की तरह भारत में भी सरकारी सहायता के साथ निजी फाउंडेशन, विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत की भागीदारी बढ़ाकर वित्तपोषण के स्रोतों का विविधीकरण करना आवश्यक है। यह विवाद केवल प्रशासनिक मतभेद नहीं है। यह उस संतुलन की परीक्षा है जिसे हर लोकतंत्र को अकादमिक स्वतंत्रता और सार्वजनिक जवाबदेही के बीच बनाए रखना होता है। निस्संदेह सार्वजनिक धन से संचालित संस्थानों को वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए, पर उतना ही आवश्यक यह भी है कि प्रशासनिक कार्रवाई किसी भी रूप में स्वतंत्र शोध और आलोचनात्मक चिंतन को हतोत्साहित करती हुई प्रतीत न हो। यदि शोध संस्थानों का विश्वास कमजोर होगा तो नीति–निर्माण भी अंततरू कमजोर होगा।

अगर यह फिल्म छोड़ी तो मैं तुम्हे छोड़ दूंगी, जेंडाया ने दी थी टॉम हॉलैंड को धमकी,एक्टर ने किया खुलासा

फिल्म द ओडिसी का निर्देशन क्रिस्टोफर नोलन ने किया है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज है। टॉम हॉलैंड फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि, जब उन्हें इस फिल्म का ऑफर मिला था तो वे काफी असंजस में थे। मगर, अभिनेत्री जेंडाया ने उन्हें धमकी दे डाली थी कि अगर वे इस फिल्म को ठुकराएंगे तो वे टॉम को छोड़ देंगी। मजाकिया अंदाज में हाल ही में हॉलीवुड एक्टर ने इसका खुलासा किया है। बता दें कि टॉम हॉलैंड और चर्चित अभिनेत्री जेंडाया शादी कर चुके हैं। पीपल की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टर टॉम हॉलैंड ने हाल ही में बताया है कि जब वे क्रिस्टोफर नोलन की द ओडिसी और स्पाइडर–मैन– ब्रांड न्यू डे के लिए अपनी कमिटमेंट्स के बीच फंस गए थे, तो उनकी पत्नी जेंडाया ने मजाक में उन्हें धमकी दी थी कि अगर उन्होंने नोलन की फिल्म ठुकराई, तो वे उन्हें छोड़ देंगी। अपने को–स्टार्स मैट डेमन, ऐनी हैथवे और फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन के साथ पीपल से बात करते हुए टॉम हॉलैंड ने उस बातचीत का जिक्र किया जो उन्होंने जेंडाया के साथ तब की थी, जब उन्हें ओडिसियस के बेटे टेलीमैकस का रोल निभाने का ऑफर मिला था। हॉलैंड ने कहा, सच कहूँ तो, जब मैं हमारी मीटिंग के बाद घर पहुंचा, तो मैं (जेंडाया) के साथ बैठा। उससे कहा, मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला है। जेंडाया के रिएक्शन को याद करते हुए उन्होंने बताया, उसने पूछा, किसके साथ? मैंने कहा, यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। उसने पूछा, क्रिस? मैंने कहा, हां, क्रिस नोलन। उस समय, स्पाइडर–मैन– ब्रांड न्यू डे की शूटिंग उसी दिन शुरू होनी थी, जिस दिन द ओडिसी की, जिससे हॉलैंड के सामने एक मुश्किल फैसला लेने की स्थिति आ गई। हॉलैंड ने जेंडाया के मजाकिया रिएक्शन के बारे में बताने से पहले कहा, श्और फिर स्पाइडर–मैन था, जिसकी शूटिंग असल में उसी दिन शुरू होनी थी, जिस दिन हम अपनी शूटिंग शुरू करने वाले थे। उन्होंने बताया कि जेंडाया ने कहा, अगर तुमने द ओडिसी नहीं की तो मैं तुम्हें छोड़ दूंगी। यह सुनकर डेमन, हैथवे और नोलन हंस पड़े। मुस्कुराते हुए नोलन ने कहा, हां। खैर, उनका शुक्रिया। इस पर हॉलैंड ने जवाब दिया, मैं यहां हूँ। पीपल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाने के लिए हॉलैंड को सोनी पिक्चर्स के एग्जीक्यूटिव टॉम रेथमैन से स्पाइडर–मैन– ब्रांड न्यू डे का प्रोडक्शन टालने के लिए कहना पड़ा, ताकि वह नोलन की फिल्म में शामिल हो सकें। हॉलैंड और जेंडया द ओडिसी में साथ काम कर रहे हैं। नोलन ने हॉलैंड के कमिटमेंट की तारीफ करते हुए कहा कि वह वर्षों से इस एक्टर के काम को पसंद करते रहे हैं और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक थे।

जापान में छाई धुरंधर, फिल्मार्क्स ऑडियंस रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची फिल्म

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर को जापान में दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने जापान के सबसे बड़े फिल्म, ड्रामा और एनीमे रिव्यू प्लेटफॉर्म श्फिल्मार्क्सश की ऑडियंस सैटिस्फैक्शन रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। फिल्म की शुरुआती प्रतिक्रिया ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नई उपलब्धि दर्ज की है। जापान में फिल्मार्क्स को फिल्मों की शुरुआती लोकप्रियता और दर्शकों की प्रतिक्रिया का एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म माना जाता है। इसकी पहले दिन की रैंकिंग दर्शकों द्वारा दी गई औसत रेटिंग के आधार पर तय की जाती है। धुरंधर को इसकी दमदार कहानी, शानदार अभिनय, जोशीले संगीत और रोमांच से भरपूर अंदाज के लिए दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। भारतीय फिल्मों को जापान में लंबे समय से दर्शकों का समर्थन मिलता रहा है। अब धुरंधर भी वहां के दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाने में सफल होती नजर आ रही है। फिल्मार्क्स की ऑडियंस सैटिस्फैक्शन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर डेब्यू करना इस बात का संकेत है कि फिल्म की कहानी और प्रस्तुति जापानी दर्शकों को पसंद आ रही है। धुरंधर की जापान में मिली सफलता भारतीय फिल्मों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शाती है। फिल्म का शानदार रिस्पॉन्स यह साबित करता है कि मजबूत कहानी और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय सिनेमा दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में दर्शकों से जुड़ रहा है।

'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट से पहले रणबीर कपूर को हुआ खतरनाक इन्फेक्शन

> आगामी २४ जुलाई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होना है। इसे एक बड़े इवेंट्स के दौरान जारी किया जाएगा। यह इवेंट दिल्ली में होना है। इसमें फिल्म रणबीर कपूर समेत फिल्म की प्रमुख कास्ट और निर्देशक-निर्माता के मौजूद रहने की जानकारी है।

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण इस साल की सबसे मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। आगामी 24 जुलाई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होना है। इसे एक बड़े इवेंट्स के दौरान जारी किया जाएगा। यह इवेंट दिल्ली में होना है। इसमें फिल्म रणबीर कपूर समेत फिल्म की प्रमुख कास्ट और निर्देशक–निर्माता के मौजूद रहने की जानकारी है। लेकिन इवेंट से पहले अब एक परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। जिससे रणबीर कपूर के इस इवेंट में शामिल होने को लेकर संदेह पैदा होता है। दरअसल, इस बड़े इवेंट से कुछ दिन पहले ही रणबीर को कंजंक्टिवाइटिस (आंखों का इन्फेक्शन) हो गया है और एहतियात के तौर पर उनके काले चश्मे पहनने की उम्मीद है। एक्टर के एक करीबी सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि यह इन्फेक्शन सबसे पहले रणबीर कपूर की बेटी राहा को हुआ था। अक्सर बच्चों की देखभाल के चलते माता–पिता को भी ये इन्फेक्शन हो जाता है। कुछ ऐसा ही रणबीर के साथ भी हुआ। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि रणबीर कपूर को कंजंक्टिवाइटिस हो गया है। सबसे पहले उनकी बेटी राहा को यह हुआ था और फिर रणबीर भी संक्रमित हो गए। इसके बावजूद, रणबीर इस इन्फेक्शन को अपने कमिटमेंट के आड़े नहीं आने दे रहे हैं। वो तय कार्यक्रम के अनुसार दिल्ली में होने वाले इस स्टार–स्टडेड इवेंट में शामिल होंगे। सूत्र ने आगे कहा कि चूंकि रामायण की टीम दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले बड़े प्रथम संकल्प कार्यक्रम के लिए पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणबीर शायद सावधानी के तौर पर इस इवेंट के दौरान काले चश्मे पहने हुए दिखाई देंगे। यह इवेंट साल के सबसे बड़े फिल्म इवेंट्स में से एक है। इवेंट की जानकारी सामने आते ही रामायणः पार्ट 1 को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। इस इवेंट में डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म की कास्ट के कई सदस्य भी इसमें शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि रावण का रोल करने वाले यश और भगवान हनुमान का रोल करने वाले सनी देओल इस लॉन्च इवेंट में शामिल होंगे या नहीं। इसका पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। जबकि दूसरा पार्ट अगले साल यानी दिवाली 2027 में रिलीज होना है। इसका संगीत भी दो दिग्गजों एआर रहमान और ऑस्कर विजेता संगीतकार हंस जिमर ने मिलकर दिया है।

जिस फिल्म को माना फ्लॉप, उसे अपने दम पर सालभर चलवाया, पहले दिन ही हुआ था अपशकुन

चिरंजीवी ने अपने करियर में कई नए डायरेक्टर्स को मौका दिया है। फिल्म को लेकर उनकी सलाह अक्सर कमाल का असर दिखाती है। टॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर कोडी रामकृष्ण भी उन्हीं में से एक हैं, जो हर तरह की फिल्म– चाहे कमर्शियल हो, फैमिली ड्रामा, भक्ति या हॉरर हो, सभी को हिट बनाने के लिए जाने जाते हैं। कोडी रामकृष्ण ने डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू चिरंजीवी की फिल्म 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' से किया था। इस फिल्म में चिरंजीवी, पूर्णिमा और माधवी नजर आए थे। अपनी पहली फिल्म होने की वजह से कोडी रामकृष्ण काफी नर्वस थे। उन्होंने सोचा था कि फिल्म का पहला शॉट चिरंजीवी पर ही शूट करेंगे। लेकिन चिरंजीवी शूटिंग के उद्घाटन के समय थोड़े लेट हो गए। वहां मौजूद लोगों ने दबाव डाला कि पहला शॉट पूर्णिमा पर ही ले लिया जाए। मजबूरी में कोडी रामकृष्ण ने ऐसा ही किया। सभी ने उन्हें बधाई दी, लेकिन उनके मन में यह बात रह गई कि पहला शॉट चिरंजीवी पर नहीं हो पाया। इसी बीच एक कैमरा असिस्टेंट भागते हुए आया और बताया कि कैमरे की बैटरी कनेक्ट ही नहीं की गई थी। यह सुनकर सेट पर मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। सबको लगा कि यह बहुत बड़ा अपशकुन है और फिल्म फ्लॉप हो जाएगी। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे सेंटिमेंट्स आम होते हैं। तभी चिरंजीवी सेट पर पहुंचे और माहौल देखकर वजह पूछी। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा कि पहला शॉट तो उन पर होना था, फिर पूर्णिमा पर क्यों लिया गया। उनकी बातों से सेट का माहौल हल्का हो गया और सबमें फिर से उत्साह आ गया। चिरंजीवी ने कहा, 'अब पहला शॉट मुझ पर शूट करो। अगर यह फिल्म एक साल तक नहीं चली, तो फिर मुझसे पूछना।' इस तरह उन्होंने एक चौलेंज भी दे दिया। उनकी बात सच साबित हुई और 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' फिल्म ने थिएटर्स में पूरे एक साल तक रन किया।

फरहान अख्तर ने मनाया तूफान के पांच साल पूरे होने का जश्न, साझा किया खास वीडियो

अभिनेता और फिल्ममेकर फरहान अख्तर की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म श्तूफानश को रिलीज हुए 5 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर फरहान ने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक खास वीडियो शेयर करके अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। फरहान ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म तूफान का एक खास वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में फिल्म के कई बेहतरीन सीन दिखाई दे रहे हैं, जैसे फरहान और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के बीच के भावुक पल, फरहान की कड़ी बॉक्सिंग ट्रेनिंग और रिंग के अंदर के धमाकेदार एक्शन सीन। वीडियो शेयर करते हुए फरहान ने लिखा, तूफान के पांच साल। फिल्म तूफान 16 जुलाई 2021 को रिलीज हुई थी। इसे राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट किया था, जबकि एक्सेल एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में फरहान अख्तर के साथ मृणाल ठाकुर, परेश रावल, सुप्रिया पाठक और विजय राज जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म मुंबई के एक छोटे गुंडे अजीज अली (फरहान अख्तर) की है, जो बॉक्सिंग की दुनिया में कदम रखता है और अपने कोच की मदद से अपनी जिंदगी बदल लेता है। इस फिल्म में फरहान अख्तर के शानदार बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन और बॉक्सिंग सीन्स की काफी तारीफ हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि तूफान के ठीक एक दिन पहले यानी 15 जुलाई को, फरहान की सुपरहिट फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा को 15 साल पूरे हो गए। फरहान ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर भी एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी। फरहान अख्तर मशहूर लेखक जावेद अख्तर और हनी ईरानी के बेटे हैं। उन्होंने साल 2001 में फिल्म श्दिल चाहता है से बतौर डायरेक्टर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने लक्ष्य और डॉन जैसी फिल्मों का डायरेक्शन किया। साल 2008 में उन्होंने फिल्म रॉक ऑन से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और इसके बाद भाग मिल्खा भाग, दिल धड़कने दो और द स्काई इज पिंक जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया।

घर में बना लें स्पेशल बिरियानी मसाला, हर कोई पूछने लगेगा रेसिपी

बिरियानी का स्वाद इतना लाजवाब लगता है कि बिरियानी लवर्स इसे हर दिन खा सकते हैं। लेकिन बात जब घर में बनाने की आती है तो अक्सर शिकायत रहती है कि वो टेस्ट नहीं आ रहा। अगर आपके घर वालों को भी बिरियानी में वो रेस्टोरेंट वाला स्वाद नहीं आता तो इस मसाले को बनाकर रख लें। इसका टेस्ट और महक एक बार चखने के बाद बाहर वाली बिरियानी खाना भूल जाएंगे। तो चलिए जानें कौन से खड़े मसालों के साथ ये स्पेशल बिरियानी मसाला तैयार किया जाएगा।

बिरियानी मसाला की सामग्री

दो चम्मच जीरा
एक चम्मच काली मिर्च
8–10 लौंग
5–6 छोटी हरी इलायची
5–6 काली बड़ी इलायची
एक चम्मच सौंफ
7–8 सूखी लाल मिर्च
5–6 जावित्री
4–5 इंच दालचीनी का टुकड़ा
1 जायफल

बिरियानी का मसाला बनाने की विधि

–सबसे पहले इन सारे मसालों को अच्छी तरह से धूप दिखा दें। जिससे कि इसके अंदर की नमी निकल जाए

–फिर किसी पैन में बारी–बारी से सारे मसालों को ड्राई रोस्ट कर लें।

–जीरा को ड्राई रोस्ट करने के बाद इसमे लौंग, काली मिर्च, बड़ी इलायची, छोटी इलायची, जावित्री, दालचीनी का टुकड़ा डालें।

–साथ में सौंफ, लाल मिर्च साबुत डालकर अच्छी तरह से ड्राई रोस्ट कर लें।

–बस हल्का सा ठंडा होने के बाद इन सारे मसालों को किसी ग्राइंडर में डालकर बारीक पाउडर बना लें। रेडी है टेस्टी बिरियानी का मसाला।

–इसे एयरटाइट डिब्बे में बंदकर रख दें। और जब बिरियानी बनाएं तो इस मसाले का इस्तेमाल करें। ये आपकी बिरियानी के स्वाद को बढ़ा देगा।

सिर्फ प्याज का रस नहीं इन चीजों को मिलाकर लगाने से बालों पर दिखेगा असर, हो जाएंगे लंबे और घने

बालों को झड़ने से बचाने के लिए प्याज का रस लगाने के लिए बताया जाता है। बहुत सारे लोग बालों को हेल्दी बनाने के लिए इसे लगाते भी हैं। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपके बाल तेजी से घने और लंबे हो जाए। साथ ही उनका झड़ना बंद हो जाए तो बालों में सिर्फ प्याज का रस ना लगाएं बल्कि साथ में इन चीजों को भी मिला लें। इससे बात दोगुनी तेजी से बढ़ते हैं और उनका झड़ना भी रुक जाता है। जानें कौन सी वी चीजें हैं जो बालों को झड़ने से रोकती हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस लगाना काफी कॉमन है। इसे लगाने से बालों की रिग्रोथ होती है। झड़ चुके बाल तेजी से जमते हैं, जिससे स्कैल्प पर घने बाल दिखने लगते हैं। लेकिन केवल प्याज का रस कम असर दिखाता है। इसलिए इन चीजों को मिलाकर बालों में लगाएं।

अंडा

अंडा प्रोटीन का रिच सोर्स है। इसे अगर आप प्याज के रस में मिलाकर लगाते हैं तो ये बालों को ग्रोथ देने के साथ ही मजबूत बनाएगा। साथ ही बाल सिल्की, सॉफ्ट और शाइनी बनेंगे।

विटामिन ई कैप्सूल

प्याज के रस में विटामिन ई कैप्सूल को मिलाकर लगाएं। ये बालों की ग्रोथ को बढ़ाने के साथ ही नेचुरली काला करने और बालों को सफेद होने से भी रोकेगा। इस तरह से आप प्रीमेच्योर ग्रे हेयर से भी बच जाएंगे।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में विटामिन ई और एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं। 100 ग्राम बादाम के तेल में 100 ग्राम प्याज का रस मिलाकर पकाएं। जब ये आधा रह जाए तो गैस बंद कर दें। इस हेयर ऑयल को बालों में लगाने से बाल ना केवल मजबूत होते हैं बल्कि बाल लंबे और घने होना शुरू हो जाते हैं।

जल्दी–जल्दी खा लेते हैं खाना तो जान लें, सेहत को हो सकते हैं ये 5 तरह के नुकसान

आजकल हर कोई भागदौड़ में लगा है। फुर्सत से बैठकर खाना खाने का किसी के पास टाइम नही है। सुबह काम पर जाने की जल्दी और काम के बीच में टाइम निकालकर खाने की जल्दी। लेकिन क्या आप जानते हैं जल्दी–जल्दी खाना खाना सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है। आयुर्वेद में भोजन को धीमे–धीमे और खूब चबाकर खाने का नियम बताया गया है। वहीं साइंस भी इस चीज को मानती है कि तेजी से और जल्दी–जल्दी खाना खाने से फूड के साथ हवा भी पेट में पहुंचती है। जिसकी वजह से गैस और ब्लॉटिंग की समस्या पैदा होने लगती है। अगर आप उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें हमेशा खाने की जल्दी लगी होती है। तो हेल्थ को होने वाले इन नुकसान के बारे में जरूर पढ़ लें।

वजन बढ़ता है तेजी से

साइंस के मुताबिक जब भी हम खाना खाते हैं तो पेट भरने के करीब 20 मिनट बाद दिमाग हमें पेट भरने का सिग्नल देता है। अगर आप जल्दी–जल्दी खाना खाते हैं तो दिमाग 20 मिनट के पहले सिग्नल नहीं देता और आप ज्यादा मात्रा में खाना खा लेते हैं। जिसका नतीजा मोटापा, ओबेसिटी, वजन का बढ़ना है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस

जब आप बहुत ही तेजी में खाना खाते हैं तो ये आपके शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ा देता है। जिसकी वजह से हाई ब्लड शुगर और इंसुलिन का लेवल गड़बड़ हो जाता है। ये गड़बड़ी मेटाबॉलिक दिक्कतों को भी बढ़ावा देती है।

टाइप 2 डायबिटीज

स्टडी में पता चला है कि जो लोग बहुत तेजी से खाना खाते हैं वो धीरे खाने वालों की तुलना में ढाई गुना ज्यादा टाइप 2 डायबिटीज के शिकार हैं। ब्लड शुगर और इंसुलिन का बिगड़ता लेवल टाइप 2 डायबिटीज का खतरा पैदा कर ही देता है।

मेटाबॉलिक गड़बड़ी

जल्दी–जल्दी खाना खाने से ना केवल डायबिटीज का खतरा होता है बल्कि मोटापा बढ़ता है और मेटाबॉलिज्म भी बिगड़ जाता है। जिसका कनेक्शन हार्ट डिसीज से भी रहता है।

अपच या इनडाइजेशन

जल्दी–जल्दी खाने से पेट में खाने के बड़े टुकड़े पहुंच जाते हैं। जिन्हें पचाने के लिए डाइजेशन सिस्टम को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। नतीजा अपच होता है और खाना ठीक से नहीं पचता।

खाने से संतुष्टि नहीं मिलती

अगर आप मोटापे के डर से तय मात्रा में खाना लेकर खाते हैं लेकिन जल्दी–जल्दी खा लेते हैं। तो भले ही आपका पेट भर जाए लेकिन मन को संतुष्टि नहीं होती। जिसकी वजह से कई बार लोग पेट भरने के बाद भी खाना खाते हैं और नतीजा मोटापा बढ़ता है। वहीं धीरे:धीरे खाने वाले लोग सीमित खाने में ही संतुष्टि महसूस करते हैं और खाने से पेट भी भर जाता है।

सुबह–सवेरे का ये रूटीन बढ़ा देगा बेली फैट घटने के चांस, करें ये काम

बढ़ा हुआ पेट देखकर हर दिन आपके मन में आता होगा कि एक्सरसाइज करेंगे। लेकिन कुछ लोग तो एक्सरसाइज करने के बाद भी मनचाहा पेट कम नहीं कर पाते। ऐसे में जरूरी है कि सुबह उठते ही कुछ मॉर्निंग रूटीन को फॉलो किया जाए। जो आपके बेली फैट घटाने के प्रोसेस को तेज कर देगा और आप कुछ ही महीनों में पेट की चर्बी कम कर लेंगे। वेट लूज करना हो या फिर बेली फैट घटाना हो बिना मेहनत के कुछ भी नहीं मिलेगा। इसलिए अपनी मनचाही बॉडी पाने के लिए इस रूटीन को फॉलो करना शुरू कर दें।

सुबह की शुरुआत पानी से करें

सुबह उठने के बाद एक से दो गिलास पानी ना केवल शरीर को हाइड्रेट कर करता है बल्कि शरीर के टॉक्सिंस को निकालने में भी मदद करता है। जिससे कॉन्सटिपेशन की शिकायत नहीं होती और बॉडी को अंदर से क्लीन होने का मौका मिलता है। जिसका असर बेली पर भी दिखता है।

हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करें

रोजाना सुबह के वक्त टाइम की कमी रहती है तो केवल दस–पंद्रह मिनट ही इंटेस एक्सरसाइज करें। जैसे ब्रिस्क वॉक या फिर स्ट्रेचिंग। ये आपकी बॉडी को फ्लेक्सिबल बनाने के साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है। जिससे बेली फैट को कम करने में मदद मिलती है।

प्रोटीन–फाइबर ब्रेकफास्ट

ब्रेकफास्ट में हल्के फ्रूट्स या स्मूदी पीने की बजाय प्रोटीन और फाइबर से भरपूर फूड को शामिल करें। जिससे आपका पेट देर तक भरा रहे और आप अनहेल्दी स्नैकिंग ना करें।

स्वीट ब्रेकफास्ट से बचें

स्मूदी, हनी पैक्ड फूड, सीरियल्स जैसे मीठे ब्रेकफास्ट से बचें। ये सुबह के वक्त ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देते हैं। जिसकी वजह से दिनभर मीठे की क्रेविंग होती है।

लंच का प्लान बना लें

ब्रेकफास्ट के बाद आप क्या खाने वाले हैं। इसके बारे में कुछ देर बैठकर सोच लें और उसी के हिसाब से ही बनाएं। ऐसा करने से आप कुछ भी अनहेल्दी खाने से बच जाएंगे। साथ ही खाने की मात्रा भी डिसाइड हो जाएगी। माइंडफुल इटिंग और पोर्शन कंट्रोल बेली फैट और वेट लूज करने के लिए जरूरी है।

यूरिक एसिड से निजात दिला सकते हैं ये घरेलू नुस्खे, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

आज के समय में खान–पान और लाइफस्टाइल में बदलाव यूरिक एसिड बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बन गया है। शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने पर रोगी को हाई बीपी और मधुमेह जैसे रोग भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर देते हैं। प्यूरीन रिच फूड के अलावा यूरिक एसिड को बढ़ाने में मोटापा, शराब का सेवन, कुछ दवाएं और उच्च रक्तचाप और हाइपोथायरायडिज्म जैसी चिकित्सा स्थितियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं। अगर आपको भी यूरिक एसिड की समस्या है तो आइए जानते हैं इसके कारण और निजात पाने के लिए जरूरी घरेलू उपाय।

यूरिक एसिड के लक्षण–

–जोड़ों में दर्द
–पैरों और एड़ियों में तेज दर्द
–तलवों का लाल होना
–ज्यादा प्यास लगना
–बुखार आना
–पैर के अंगूठे में दर्द होना
–जोड़ों के ऊपरी त्वचा के रंग में बदलाव होना

यूरिक एसिड से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे–

हाइड्रेटेड रहना–

यूरिक एसिड की समस्या से निपटने का सबसे आसान उपाय है, अपनी बॉडी को हाइड्रेट रखना। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर से अतिरिक्त यूरिक एसिड को बाहर

निकालने में मदद मिलती है, जिससे क्रिस्टल बनने का खतरा कम हो जाता है।

खानपान में करें बदलाव–

अपने आहार में बदलाव करके भी आप यूरिक एसिड की समस्या को कंट्रोल में रख सकते हैं। इसके लिए अधिक प्यूरीन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें। इनका सेवन करने से शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ती है। ऐसे खाद्य पदार्थों में ऑर्गन मीट, शेलफिश, रेड मीट और कुछ खास तरह की मछलियां (जैसे एंकोवी और सार्डिन) शामिल होते हैं।

सेब का सिरका–

सेब के सिरके में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने की क्षमता शामिल होती है। यह शरीर को अल्कलाइज करने में मदद करता है, जिससे यूरिक एसिड के क्रिस्टल बनना मुश्किल हो जाता है। इस उपाय को करने के लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका मिलाकर दिन में दो बार पिएं।

व्यायाम–

यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए दिन में कम से कम 30 मिनट तक वॉक, तैराकी, साइकिल या व्यायाम करें।

नींबू–

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड यूरिक एसिड को बेअसर करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए एक गिलास गर्म पानी में एक नींबू का रस निचोड़कर सुबह खाली पेट पिएं।

चेहरे की डर्ट साफ कर ग्लोइंग बनाएगा ये होममेड फेस क्रीम, बस 2 स्टेप करें फॉलो

चेहरे की स्किन को क्लीन एंड ग्लोइंग बनाने के लिए अक्सर मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट पर भरोसा करते हैं। पीलऑफ मास्क हो या फिर फेस पैक मार्केट में मिल रहे प्रोडक्ट ही यूज करते हैं। लेकिन आप चाहें तो घर में भी कुछ स्टेप में ग्लास जैसी शाइन करती स्किन पा सकते हैं। साथ ही इसके लगातार इस्तेमाल से चेहरे के दाग–धब्बे भी खत्म हो जाएंगे। तो चलिए जानें कैसे मिलेगी घर में ग्लास जैसी ग्लोइंग स्किन।

कॉफी से बनाएं क्लींजर

कॉफी और दूध की मदद से क्लींजर तैयार करें। इसे तैयार करने के लिए किसी बाउल में एक चम्मच कॉफी पाउडर लें। इसे इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह से ग्राइंड कर लें। जिससे कि ये महीन पाउडर बन जाए। अब बाउल में कॉफी पाउडर के साथ कच्चा दूध मिक्स करें। पतला सा घोल बनाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें। करीब दस से पंद्रह मिनट बाद स्किन को पानी से साफ कर लें।

ऑयली स्किन के लिए कॉफी क्लींजर कैसे बनाएं

अगर स्किन ऑयली है तो कच्चे दूध की बजाय कॉफी में रोज वाटर मिलाकर क्लींजर तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाएं और हल्की मसाज के बाद पानी से धो लें। सप्ताह में दो बार इस होममेड क्लींजर का इस्तेमाल करें।

बनाएं होममेड फेस क्रीम

कॉफी क्लींजर से चेहरे की स्किन को साफ करने के बाद डे फेस क्रीम तैयार करें। इसे बनाने के लिए किसी बाउल में कॉफी पाउडर लें। इसमे एक चम्मच एलोवेरा जेल और थोड़ा सा रोज वॉटर मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करने के बाद छोड़ दें। करीब 10–15 मिनट बाद फेस साफ कर लें और किसी साफ तौलिये से चेहरा पोंछ लें। हफ्ते में मात्र दो दिन इस क्लींजर और होममेड क्रीम लगाने से कुछ ही दिनों में चेहरे पर ग्लास जैसा ग्लो नजर आने लगेगा।

संक्षिप्त

बीसीसीआई सचिव सैकिया आईसीसी की प्रशासन समीक्षा समिति के प्रमुख बने, क्रिकेट वेस्टइंडीज को ऋण की मंजूरी

एडिनबर्ग,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया को बुधवार को आईसीसी की नई उप समिति प्रशासन समीक्षा समिति का प्रमुख बनाया गया जिसने क्रिकेट वेस्टइंडीज के लिए12.82 मिलियन डॉलर के ऋण को भी मंजूरी दे दी। सैकिया के अलावा क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के डॉक्टर मोहम्मद मूसाजी और आईसीसी के नव नियुक्त स्वतंत्र निदेशक डॉक्टर रोस रिवाज इस समिति में हैं। सैकिया नवगठित फ्रेंचाइजी लीग समिति में भी हैं जिसके अध्यक्ष बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तामिम इकबाल हैं। समिति में क्रिकेट नामीबिया के डॉक्टर रूडी वान वूरेन, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के रिचर्ड गूड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के टॉड ग्रीनबर्ग भी हैं। आर्थिक तंगी से जूझ रहे क्रिकेट वेस्टइंडीज की मदद के लिए ऋण को मंजूरी दी गई। आईसीसी ने संशोधित संविधान को लेकर क्रिकेट श्रीलंका द्वारा की गई प्रगति की भी समीक्षा की। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमिम इकबाल की सदस्यों के पूर्णकालिक सदस्य निदेशक के रूप में नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई। आईसीसी ने मॉरीशस को 111वां सदस्य बनाने को भी मंजूरी दी, जबकि क्रिकेट कनाडा पर निलंबन जारी है। फ्रांस क्रिकेट को भी सदस्यता मानदंड का उल्लंघन करने के लिए नोटिस पर रखा गया है।

अर्जेंटीना के खिलाफ बढ़त मिलने के बाद क्यों बदली रणनीति, आलोचनाओं पर ट्यूशेल ने क्या दी सफाई?

अटलांटा,एजेंसी। फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ बढ़त हासिल करने के बावजूद इंग्लैंड फाइनल का टिकट नहीं कटा सका। मुकाबले के बाद मुख्य कोच थॉमस ट्यूशेल ने अपनी डिफेंसिव रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि नतीजा खराब आने के बाद फैसलों को गलत कहना आसान होता है। अटलांटा में खेले गए सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट में किए गए गोल से 1–0 की बढ़त बनाई। हालांकि, इसके बाद लियोनेल मेसी की मदद से अर्जेंटीना ने जोरदार वापसी की। मेसी के पास पर 85वें मिनट में एंजो फर्नांडेज ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में लाउतारो मार्टिनेज ने गोल कर अर्जेंटीना को 2–1 से जीत दिलाई और टीम को स्पेन के खिलाफ फाइनल में पहुंचा दिया। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने कहा कि अर्जेंटीना लगातार हवाई गेंदों और क्रॉस का इस्तेमाल कर रहा था। इसी वजह से टीम ने पांच डिफेंडरों के साथ खेलने का फैसला किया, ताकि बॉक्स के अंदर जगह कम की जा सके और हवाई मुकाबलों में मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि गोल करने के तुरंत बाद भी टीम ने बिना किसी बदलाव के काफी क्रॉस और मौके दिए थे, इसलिए रणनीति में बदलाव किया गया। ट्यूशेल ने माना कि अगर रणनीति सफल नहीं होती तो उसकी जिम्मेदारी कोच की होती है और बाद में उसे गलत कहना आसान हो जाता है। ट्यूशेल के बदलावों के बावजूद इंग्लैंड लियोनेल मेसी को रोक नहीं सका। इंग्लैंड के गोल और अर्जेंटीना के विजयी गोल के बीच के 38 मिनट में अर्जेंटीना ने 88 प्रतिशत समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी।

फश्वकलैंड विवाद में अब राजनीति शुरू! क्या है मामला और क्यों कूदा ब्रिटेन? फीफा से की अपील

लंदन,एजेंसी। अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद विवादित फॉकलैंड द्वीप समूह पर संप्रभुता का दावा करने वाले बैनर के साथ तस्वीरें खिंचवाई जिससे ब्रिटेन भड़क गया है और उसने गुरुवार को फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा से इसकी जांच करने का आग्रह किया। अटलांटा में बुधवार को खेले गए विश्व कप सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2–1 से हराया। मैच के बाद जश्न के दौरान अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने एक बैनर पकड़ा हुआ था, जिस पर लिखा था श्लास माल्विनास सोन अर्जेंटिनासश जिसका अर्थ है श्माल्विनास अर्जेंटीना का है।श अर्जेंटीना फॉकलैंड द्वीप समूह को इस्लास माल्विनास के नाम से संबोधित करता है। अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को यह बैनर स्टेडियम में मौजूद एक दर्शक ने दिया था। अर्जेंटीना की टीम को अब अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उसने मैदान पर राजनीतिक संदेश देने पर प्रतिबंध लगाने वाले नियमों का उल्लंघन किया है। ब्रिटेन के व्यापार सचिव पीटर काइल ने कहा कि खिलाड़ियों का व्यवहार पूरी तरह से अनुचित था। काइल ने बीबीसी से कहा, श्राजनीति को फुटबॉल से अलग रखने की जरूरत है। विश्व कप का एक प्रमुख सिद्धांत यही है कि राजनीति फुटबॉल से अलग है। यह अब फीफा का मामला है। मुझे उम्मीद है कि फीफा इसकी जांच करेगा। दक्षिण अटलांटिक में स्थित फॉकलैंड द्वीपसमूह को लेकर राजनीतिक तनाव के कारण दोनों देशों के बीच खेल प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है। यह द्वीपसमूह ब्रिटेन के अधीन है, जिसकी आबादी लगभग 3,500 है। यह ब्रिटेन से लगभग 8,000 मील (13,000 किलोमीटर) और अर्जेंटीना से 300 मील (480 किलोमीटर) दूर स्थित है। अर्जेंटीना का तर्क है कि 1833 में उससे ये द्वीप अवैध रूप से छीन लिए गए थे। ब्रिटेन का कहना है कि यह 1765 से उसके अधीन है। अर्जेंटीना ने 1982 में इस द्वीप समूह पर हमला किया था। इसके बाद 10 सप्ताह तक युद्ध चला था जिसमें अर्जेंटीना के 649 ब्रिटेन के 255 सैनिकों की जान चली गई थी। इस युद्ध में तीन नागरिक भी मारे गए थे।

युवराज और अभिषेक के साथ वैभव सूर्यवंशी ने देखा विंबडलन का मैच, बताया कौन है पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी

विंबलडन,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए युवा सितारे 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार विंबलडन के ऐतिहासिक सेंटर कोर्ट पहुंचकर एक यादगार अनुभव हासिल किया। वैभव के साथ पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय टी20 टीम के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन भी मौजूद थे। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी वैभव इस प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड क्लब के माहौल का लुत्फ उठाते नजर आए। वैभव ने पहली बार खेल जगत के इस ऐतिहासिक मैदान पर आने के अपने अनुभव को साझा किया। वैभव ने जियो स्टार से कहा, मैं विंबलडन के पुरुष एकल का फाइनल मैच देखने आया। मैं यह देखना चाहता था कि लाइव टेनिस मैच देखने का अनुभव कैसा होता है और खिलाड़ी फाइनल के भारी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव रहा।

टेनिस के प्रति अपनी दिलचस्पी का खुलासा करते हुए इस युवा क्रिकेटर ने बताया कि वह पिछले चार–पांच वर्षों से इस खेल को करीब से फॉलो कर रहे हैं। उन्होंने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच को अपना पसंदीदा खिलाड़ी बताया, जिन्हें वह बचपन से देखते आ रहे हैं। वैभव ने कहा, मैं नडाल और जोकोविच को बहुत देखता था। मुझे जोकोविच बेहद पसंद हैं, लेकिन यही वो दो खिलाड़ी हैं जिन्हें मैंने सबसे ज्यादा फॉलो किया है। इस साल विंबलडन में भारतीय क्रिकेटरों की भारी मौजूदगी देखने को मिली। वैभव से पहले, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी पुरुष एकल वर्ग का सेमीफाइनल देखने प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स पहुंचे थे। सचिन के लिए विंबलडन उनका पसंदीदा खेल आयोजन रहा है, वहीं शुभमन गिल का यह पहला विंबलडन अनुभव था। रविवार को सेंटर कोर्ट की सुर्खियों में युवा पीढ़ी का दबदबा रहा। वैभव ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया। ये सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के साथ फाइनल का आनंद लिया जहां युवराज भी मौजूद रहे। वैभव से पूछा गया कि वह किस क्रिकेटर को टेनिस कोर्ट पर अपना डबल्स पार्टनर चुनना चाहेंगे? इस पर मुस्कुराते हुए वैभव ने कहा, मैंने पहले ही अभिषेक भैया का नाम लिया है। चूंकि वह क्रिकेट में मेरे ओपनिंग पार्टनर हैं, इसलिए मैं टेनिस में भी उन्हीं को अपना जोड़ीदार चुनूंगा। वैभव विंबलडन देखने के लिए सूट पहने नजर आए। अपने पहनावे को लेकर वैभव ने कहा कि उन्हें तैयार करने में अभिषेक शर्मा ने उनकी मदद की थी। वैभव ने कहा, मैंने वास्तव में कुछ भी खास प्लान नहीं किया था। मुझे जल्दी में जो भी मिला, मैंने बस उसे पहन लिया। अभिषेक भैया ने इसे व्यवस्थित करने में मदद की और मैं आपके सामने हूं।

पेरिस की निराशा को सिनर ने विंबलडन में पीछे छोड़ा, बताया क्यों खास है जीत ? पांचवां ग्रैंडस्लैम जीता

विंबलडन,एजेंसी। विश्व नंबर एक इटली के यानिक सिनर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पेरिस की निराशा का जवाब वह विंबलडन में खिताब जीतकर देना जानते हैं। सिनर ने रविवार को खेले गए पुरुष एकल फाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6–7, 7–6 , 6–3, 6–4 से हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का पांचवां ग्रैंडस्लैम खिताब है। जीत के बाद सिनर ने बताया कि उनके लिए विंबलडन की ये बेहद खास है। सिनर ने कहा कि हर ग्रैंडस्लैम की अपनी अलग कहानी और महत्व होता है, लेकिन इस बार की जीत उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन में मिली हार के बाद विंबलडन जीतना आसान नहीं था, इसलिए इस सफलता की खुशी और भी ज्यादा है। मैच के बाद सिनर ने कहा कि हर ग्रैंडस्लैम का माहौल, चुनौती और अनुभव अलग होता है। उनके लिए यह खिताब इसलिए भी खास है क्योंकि फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद उन्होंने खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की और अपना पूरा ध्यान सिर्फ बेहतर प्रदर्शन पर लग सिनर ने कहा, श्मेरे लिए यह जीत बहुत मायने रखती है। पेरिस के बाद वापसी करना आसान नहीं था। मैंने खुद को तैयार करने के लिए काफी मेहनत की और आज उसका परिणाम मिला। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी अलेक्जेंडर ज्वेरेव की भी जमकर तारीफ की। सिनर ने कहा कि ज्वेरेव लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि मजबूत प्रतिद्वंद्वी ही खिलाड़ियों को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस जीत के साथ सिनर ने बड़े खिताब जीतने की दौड़ में भी कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ अपनी बढ़त मजबूत कर ली है। उनके नाम अब कुल 17 बड़े खिताब हो गए हैं। इनमें ग्रैंडस्लैम, एटीपी फाइनल्स, एटीपी मास्टर्स 1000, और ओलंपिक सिंगल्स स्वर्ण पदक जैसे बड़े टूर्नामेंट शामिल हैं। वहीं, कार्लोस अल्कारेज के नाम फिलहाल 15 बड़े खिताब हैं। जीत के बाद जैसे ही सिनर ने मैच प्वाइंट पर शानदार फोरहैंड विनर लगाया, वह जश्न मनाने के लिए कोर्ट की घास पर पीठ के बल लेट गए। पिछले वर्ष भी उन्होंने रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) फाइनल में कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ तीन मैच प्वाइंट गंवाने की निराशा के बाद विंबलडन जीतकर शानदार वापसी की थी।

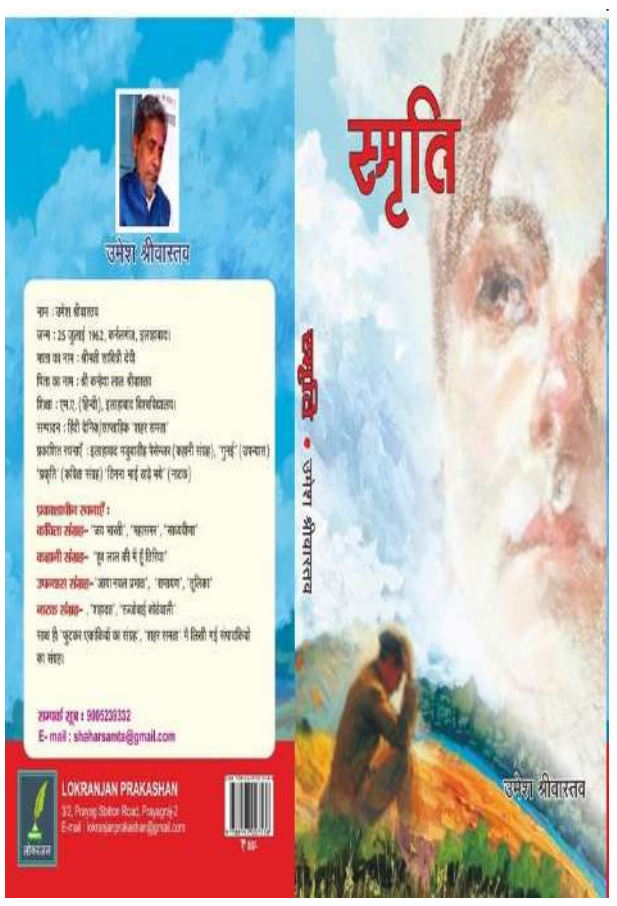

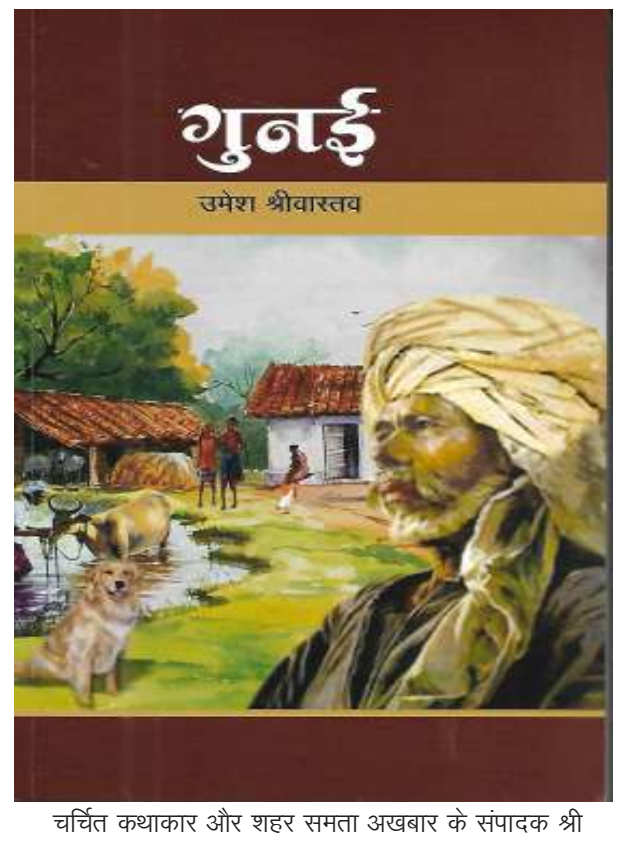

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

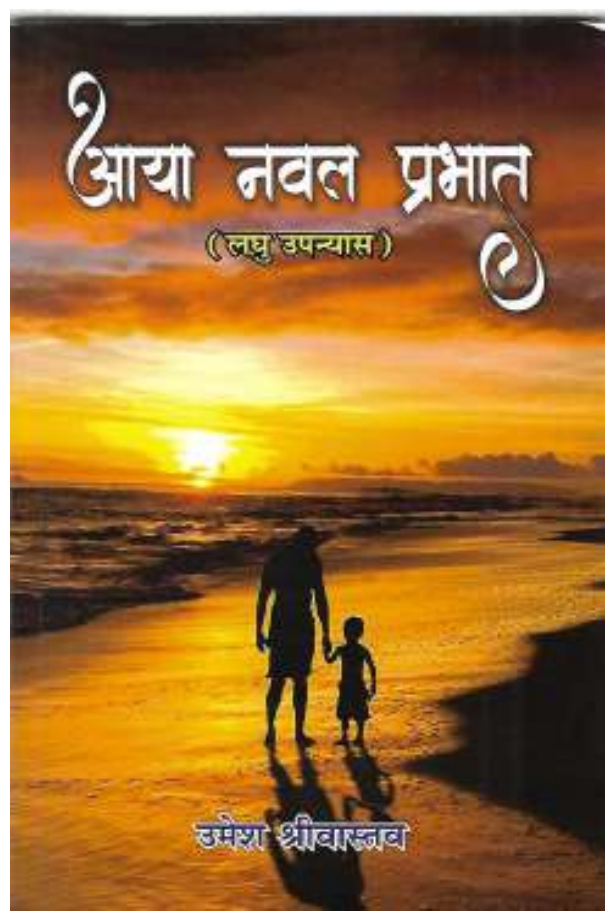

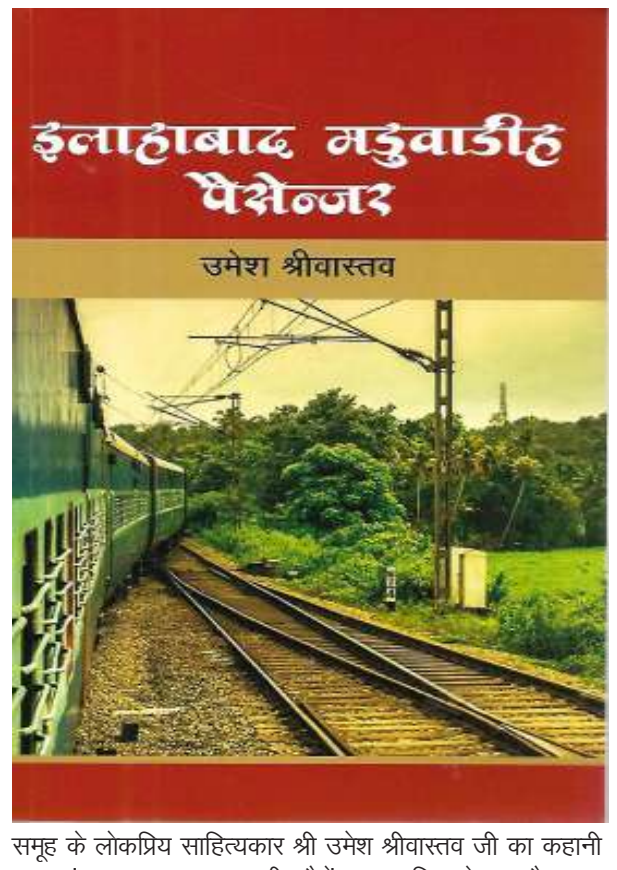

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

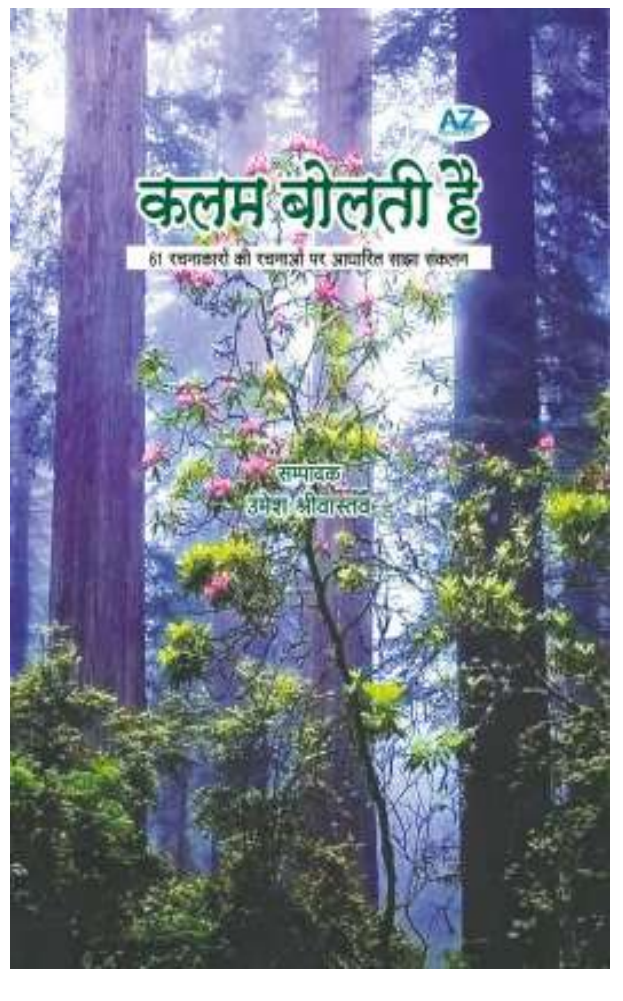

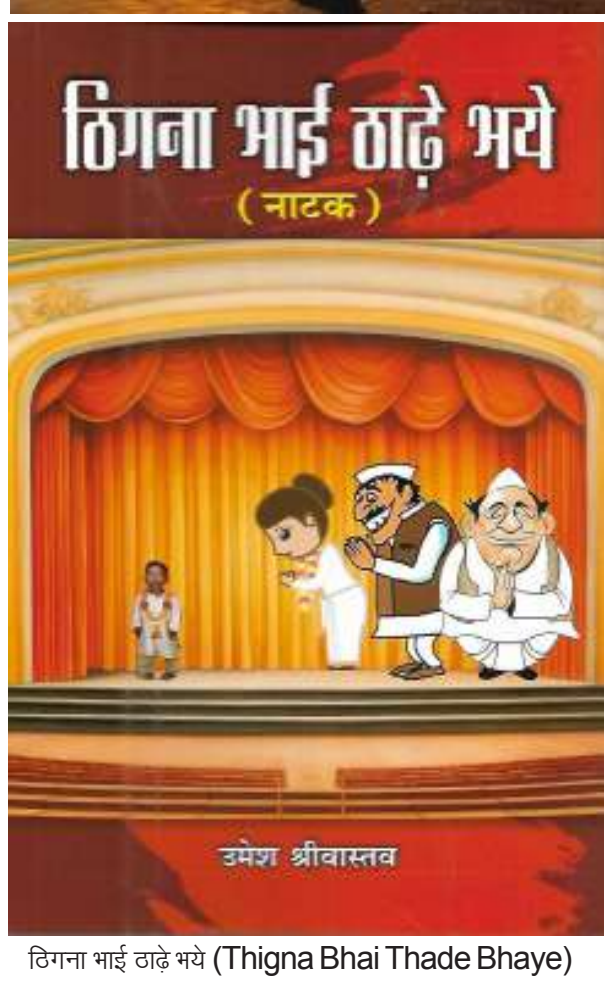

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

धर्म पूछकर चाकू से कई बार किया वार, हालात गंभीर, चश्मदीद ने बताया मंजर

यूटा,एजेंसी। अमेरिका के वैली फेयर मॉल में दोपहर में हुए एक क्रूर हमले में भारतीय मूल के एक मुस्लिम कर्मचारी को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था। संदिग्ध की पहचान 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने सोमवार शाम को एक मॉल के स्टॉल पर पीड़ित सैयद सोहेल उद्दीन से संपर्क किया। हमला करने से पहले, लार्सन ने कर्मचारी से उसकी पहचान के बारे में पूछताछ की। लूना नुनेज, जो बाद में अस्पताल में पीड़ित से मिलने गई थीं। उनके अनुसार, बातचीत तनावपूर्ण सवालों से शुरू हुई। लार्सन ने कर्मचारी से पूछा, वह कहां से है, उसका नाम क्या है और क्या वह मुसलमान है। झगड़े के तुरंत बाद, लार्सन ने चाकू निकाला और उस व्यक्ति पर बार—बार वार करने लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तभी रुकी जब मॉल में मौजूद साहसी लोगों ने मौके पर पहुंचकर लार्सन को जमीन पर गिरा दिया और उसका हथियार छीन लिया। भारतीय मूल के उद्दीन इस समय जीवन—मरण के बीच जूझ रहे हैं। उद्दीन के बॉस और करीबी पारिवारिक मित्र अदनान मोहम्मद ने चोटों की भयावहता का बारे में बताया कि उद्दीन के पूरे शरीर पर घाव हैं। एक आपातकालीन टीम उनके दिल की स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है। अपने मित्र के बच जाने पर मोहम्मद ने कहा कि उद्दीन का जीवित रहना एक चमत्कार है। हिंसा के व्यापक परिणामों ने स्थानीय समुदाय को भय के साये में डाल दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद मोहम्मद ने अपनी सुरक्षा की भावना पर पड़े गहरे भावनात्मक आघात को व्यक्त किया। खासकर हमले के बाद के हालात देखने और ऑनलाइन नफरत भरे संदेशों का सामना करने के बाद। मोहम्मद ने बताया, श्मैं एक पिता हूं, और मुझे अपने बच्चों के लिए यहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद डरावना है। यह दिल दहला देने वाला अनुभव है। मैंने बहुत खून देखा। गिरफ्तारी के प्रत्यक्षदर्शियों को हमलावर की घोर दुर्भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। पास के लिड्स हैट स्टोर में कार्यरत सल्वाडोर मेंडेज ने उस भयावह क्षण को याद किया जब पुलिस अधिकारियों ने संदिग्ध ा को इमारत से बाहर निकाला। मेंडेज ने बताया कि हमलावर खून से लथपथ था और उसने देखने वालों को खौफनाक निगाहों से घूरा। मेंडेज ने कहा, मैंने पहले कभी किसी को मुझे उस तरह से देखते हुए नहीं देखा। उसने आगे कहा कि वह हमें नफरत भरी नजरों से देख रहा था। लार्सन को सोमवार शाम हत्या के प्रयास के संदेह में साल्ट लेक काउंटी मेट्रो जेल में डाल दिया गया। गिरफ्तार करने वाले अधिकारी के हलफनामे से संदिग्ध के इरादों की भयावह तस्वीर सामने आती है, जिसमें खुलासा हुआ है कि पुलिस से पूछताछ के दौरान लार्सन ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि वह मानता है कि वह एक उत्प्रेरक है और उसका इरादा मुसलमानों को जान से मारने का है। स्थानीय धार्मिक नेताओं का कहना है कि यह घटना एक बेहद चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है। यूटा इस्लामिक सेंटर के इमाम शुऐब दीन, जहां उद्दीन जाते थे। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में यूटा में मुसलमानों के खिलाफ उत्पीड़न, धमकियों और हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, यह विशेष घटना भयावह रूप से स्थिति को और बिगाड़ रही है। दीन ने कहा कि सोमवार का हमला राज्य के इतिहास में हमारे समुदाय के किसी सदस्य पर हुआ सबसे भीषण हमला है।

यूएस ने ईरान के सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना, एक जहाज को भी किया तबाह

वैश्विक व्यापार के लिए सबसे संवेदनशील समुद्री रास्ते होर्मुज को लेकर जारी तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ एक और बड़ा सैन्य एक्शन लिया है। अमेरिकी सेना ने आज दोपहर ठीक 3 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार – ईटी) ईरान के खिलाफ हवाई हमलों के दूसरे दौर (सेकंड वेव) की शुरुआत कर दी। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति और सेना के कमांडर—इन—चीफ के सीधे निर्देश पर की गई है। इस बीच ईरान के कई इलाकों में धमाकों की आवाज सुनाई दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिकी सेना ने एक खाली तेल टैंकर को निष्क्रिय कर दिया। यह जहाज ईरान के एक बंदरगाह की ओर जा रहा था। आरोप है कि टैंकर ने इस्लामिक गणराज्य पर लगाए गए नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश करते हुए कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया था। इस बीच जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्या पुलों पर बमबारी करने से पहले उन्होंने ईरान को कोई डेडलाइन दी है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, श्मुझे डेडलाइन देना पसंद नहीं है, लेकिन उन्हें काफी हद तक पता है, वे पूरी बात जानते हैं। उन्हें बेहतर ढंग से पेश आना चाहिए।श ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने इराक की सीमा के पास स्थित अहवाज शहर में धमाकों की आवाज सुनाई देने की खबर दी है। इस महीने तनाव फिर से शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने कई बार अहवाज को निशाना बनाया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, इन ताजा हमलों का मुख्य उद्देश्य ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को नेस्तनाबूद करना है, जिनका इस्तेमाल वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में जहाजों को डराने और धमकाने के लिए करता रहा है। विशेष रूप से होर्मुज में व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को बाधित करने के ईरानी प्रयासों को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक, कुवैत और बहरीन में ड्रोन-मिसाइल से ईरान का हमला

ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के बाद पहले तेल की कीमतों में तेजी देखी गई थी, क्योंकि निवेशकों को डर था कि तनाव बढ़ने से बड़े युद्ध की स्थिति बन सकती है और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। हालांकि, अब ट्रेडर्स इन हमलों के वास्तविक असर का आकलन कर रहे हैं। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की नरमी आई है। सुबह 06:05 GMT तक ब्रेंट क्रूड की कीमत 44 सेंट यानी 0.52 प्रतिशत गिरकर 84.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। इससे पहले इस सप्ताह ईरान और अमेरिका के बीच जवाबी हमलों के कारण तेल की कीमतों में तेजी आई थी। भारत के महानिदेशालय नौवहन ने जहाज मालिकों, शिप मैनेजमेंट कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की तैनाती से बचा जाए। यह आदेश ऐसे समय जारी किया गया है, जब इस सप्ताह ईरानी हमलों में होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके

आसपास दो अलग—अलग जहाजों पर तैनात दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। इन घटनाओं के बाद भारत सरकार ने समुद्री क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए एहतियाती कदम उठाया है। महानिदेशालय नौवहन ने अपने आदेश में कहा, फारस की खाड़ी क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए भारतीय नाविकों के हितों और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाना आवश्यक है। इसी के तहत जहाज मालिकों और संबंधि त कंपनियों को फिलहाल होर्मुज मार्ग पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचने का निर्देश दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने कहा था कि 28 फरवरी से, जब अमेरिका—इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू हुआ, तब से होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास हुए हमलों में कम से कम 14 नाविकों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन भारतीय चालक दल के सदस्य भी शामिल हैं, जिनकी 9 जून को ओमान तट के पास सेट्टेबेलो तेल टैंकर पर अमेरिकी हमले में जान चली गई थी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़े हमले किए हैं। प्त्ळब के अनुसार, कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस स्थित सैटेलाइट संचार केंद्र, अर्ली वार्निंग रडार, पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, ईंधन भंडारण और अश—शुआयबा स्थित अमेरिकी सैन्य घाट को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। वहीं, बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर संचार प्रणाली, सुपर हॉक और पैट्रियट रडार समेत हवाई निगरानी एवं नियंत्रण रडार तथा लड़ाकू विमानों के ईंधन पंपिंग स्टेशन को तबाह करने का दावा किया गया है। IRGC ने कहा कि ये हमले अमेरिका द्वारा अहवाज के बच्चों के कैंसर अस्पताल और खुजेस्तान व इलाम प्रांत में जल संयंत्रों पर किए गए हमलों के जवाब में किए गए हैं। संगठन ने कुवैत की जनता से अपील की कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान और यमन के खिलाफ हमलों के लिए न होने दें। साथ ही अमेरिकी सेनाओं को क्षेत्र से बाहर निकालने की मांग करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य तभी खोला जाएगा, जब क्षेत्र में अमेरिका की दखलंदाजी और आक्रामक गतिविधियां समाप्त होंगी। IRGC ने अपने बयान के अंत में कहा लड़ाई जारी रहेगी। ईरान के पूर्व विदेश मंत्री और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने ईरान के सरकारी टीवी से कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) ईरान का है और इसे दुनिया की कोई भी ताकत ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका अधिकार नहीं छीन सकती है। बता दें कि हाल के दिनों में तेहरान द्वारा इस अहम जलमार्ग में वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल कर रहे टैंकरों पर हमले के बाद, अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को रोकने के मकसद से उस पर नए हमले शुरू किए। इसके जवाब में, ईरान खाड़ी क्षेत्र में उन ठिकानों पर हमले कर रहा है जिन्हें वह अमेरिकी ठिकाने बताता है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन के अल—अजराक एयरबेस पर खौबर—शिकन बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी लड़ाकू विमानों के स्टोरेज रैंप और पश्चिम एशिया में बने नए अमेरिकी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। IRGC ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका के उन हमलों के जवाब में की गई है, जिनके कारण अहवाज से कैंसर पीड़ित 121 बच्चों को निकालना पड़ा था और मार्च में मीनाब के एक स्कूल पर हुए हमले में 168 बच्चों की मौत हुई थी। संगठन ने जॉर्डन की जनता से अपील की कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल बच्चों के खिलाफ ऐसे अपराधों के लिए न होने दें। वहीं, जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि उसने बुधवार सुबह ईरान की ओर से दागी गई।

यूएस की अर्थव्यवस्था सुधारेंगे भारतीय: रघुराम राजन समेत तीन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, क्या बदलेंगे हालात ?

अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन और भारतीय मूल के दो अन्य विशेषज्ञों दिल्ली में जन्मे अमेरिकी अर्थशास्त्री राज चेट्टी और माइक्रोसॉफ्ट की सीनियर एग्जीक्यूटिव आशा शर्मा को अपनी बैलेंस शीट की समीक्षा के लिए चुना है। यह कदम कई वर्षों तक ऊंची महंगाई रहने के बाद मौद्रिक नीति (मॉनिटरी पॉलिसी) बनाने के तरीके में बदलाव लाने के उद्देश्य से शुरू किए गए व्यापक सुधार कार्यक्रम का हिस्सा है। ये नियुक्तियां अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन केविन वॉर्श द्वारा गठित पांच टास्क फोर्स का हिस्सा हैं। इन टास्क फोर्स में बैंक ऑफ इंग्लैंड के पूर्व गवर्नर मर्विन किंग, वॉलमार्ट के पूर्व CEO डग मैकमिलन, नोबेल पुरस्कार विजेता थॉमस सार्जेंट और सिलिकॉन वैली के वेंचर कैपिटलिस्ट मार्क आंद्रेसेन जैसी वैश्विक हस्तियां भी शामिल हैं। वॉर्श ने गुरुवार को कहा कि मुझे गर्व है कि अलग—अलग क्षेत्रों के बेहतरीन दिमाग वाले लोग एक संस्था के तौर पर हमारे काम को बेहतर बनाने के लिए हमारे साथ काम करने को तैयार हुए हैं। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है यह सुनिश्चित करना कि फेड इस महत्वपूर्ण समय में

अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में हो। फेड चेयरमैन ने राजन की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी, लेकिन उन्होंने कहा कि इस टास्क फोर्स का उद्देश्य फेडरल रिजर्व में नई सोच और नए दृष्टिकोण को शामिल करना है, क्योंकि पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से महंगाई केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, रघुराम राजन बैलेंस शीट पॉलिसी टास्क फोर्स में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की अर्थशास्त्री करेन डायनन और फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर जेरेमी स्टीन के साथ काम करेंगे। यह पैनल फेडरल रिजर्व की मौजूदा बैलेंस शीट व्यवस्था की लागत, लाभ और संस्थागत प्रभावों का आकलन करेगा। साथ ही उसकी एसेट होल्डिंग्स और मौद्रिक नीति के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका की भी समीक्षा करेगा। वॉर्श ने कहा कि मैंने ऐसे 15 लोगों से संपर्क किया, जिन्हें मैं जानता हूं, जिन पर मुझे भरोसा है और जिनकी सोच अलग—अलग है। यह पारदर्शिता बढ़ाने और नए विचारों को शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि ये समूह फेड के कामकाज के पांच प्रमुख क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे कम्युनिकेशन, बैलेंस शीट पॉलिसी, आर्थिक आंकड़ों (डेटा) का इस्तेमाल, उत्पादकता और रोजगार, तथा महंगाई से जुड़े फ्रेमवर्क की समीक्षा होगी। रघुराम राजन 2013 से 2016 तक भारतीय रिजर्व बैंक (के गवर्नर रहे। वह वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक नीति पर अपने काम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने जाते हैं। RBI की कमान संभालने से पहले वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में मुख्य अर्थशास्त्री और रिसर्च डायरेक्टर रह चुके हैं तथा वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर उनकी राय को काफी महत्व दिया जाता है। फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट की समीक्षा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक कोरोना महामारी के दौरान अपनी लगभग 9 ट्रिलियन डॉलर की बैलेंस शीट का अभूतपूर्व विस्तार करने और उसके बाद उसे धीरे—धीरे कम करने की प्रक्रिया के बाद अपने मौद्रिक नीति ढांचे का दोबारा आकलन कर रहा है।

साथ ही वह महंगाई को अपने दीर्घकालिक लक्ष्य के करीब लाने की कोशिश में भी जुटा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री राज चेट्टी, डग मैकमिलन और शिकागो यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री केविन मर्फी के साथ मिलकर डेटा टास्क फोर्स का नेतृत्व करेंगे। यह समूह उन आर्थिक संकेतकों की गुणवत्ता और समयबद्ध उपलब्धता को बेहतर बनाने पर काम करेगा, जिनके आधार पर फेडरल रिजर्व अपने नीतिगत फैसले लेता है। राज चेट्टी अमेरिका में आर्थिक गतिशीलता, आय असमानता और श्रम बाजार पर शोध के लिए जाने जाते हैं।

बंगाल की खाड़ी में जब टकराए दो जहाज, देखते ही देखते पानी में समा गए 500 से ज्यादा रोहिंग्या

सिडनी,एजेंसी। हाल ही में म्यांमार के उत्पीड़ित रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को ले जा रही दो नावों के बंगाल की खाड़ी में पलट गई। अब इसमें 500 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका है। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त के एक बयान के मुताबिक, दो नावें जून के अंत में म्यांमार के पश्चिमी राज्य रखाइन से रवाना हुईं, जिनमें ज्यादातर रोहिंग्या यात्री सवार थे, जिनमें कुछ ऐसे भी थे जो बांग्लादेश में सीमा पार शरणार्थी शिविरों से आए थे। एक नाव, जिसमें लगभग 250 लोग सवार थे, प्रस्थान के कुछ ही समय बाद संपर्क टूट गया। दूसरी नाव, जिसमें कथित तौर पर 280 लोग सवार थे, 8 जुलाई को म्यांमार के अय्यारवाडी तट के पास डूब गई।एजेंसियों ने कहा शहालांकि घटनाओं और हताहतों की संख्या की अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यूएनएचसीआर और आईओएम संभावित रूप से होने वाली भारी जानमाल की हानि को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। हाल के वर्षों में म्यांमार और बांग्लादेश के दयनीय शरणार्थी शिविरों से हजारों की संख्या में भागकर आए। रोहिंग्या आमतौर पर साल के इस समय में ऐसी नाव यात्राओं से बचते हैं। जब मानसून अक्सर आता है और समुद्र में स्थितियां विशेष रूप से खतरनाक होती हैं। यूएनएचसीआर और आईओएम ने अपने बयान में इस बात का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में पूरे क्षेत्र में हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण ऐसी यात्राएं विशेष रूप से जोखिम भरी हो गई होंगी। 2025 में 6,500 से अधिक रोहिंग्या भाग गए और लगभग 900 लोगों के मृत या लापता होने की सूचना मिली, जो नाव से देश छोड़ने की कोशिश करने वाले रोहिंग्याओं के लिए सबसे घातक वर्ष था।संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यह आंकड़ा दुनिया भर में शरणार्थियों और प्रवासियों की समुद्री यात्राओं के किसी भी प्रमुख मार्ग की तुलना में सबसे अधि क मृत्यु दर को दर्शाता है।

30 पार कर चुके सैनिकों

जवाब में बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें, क्या फिर जंग के मुहाने पर पश्चिम एशिया ?

अमेरिका द्वारा ईरान पर एक और बड़े हवाई हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार तड़के उत्तरी ईरान समेत कई इलाकों में रातभर चली हवाई कार्रवाई पूरी होने की पुष्टि की। जवाब में ईरान ने बहरीन और कुवैत पर मिसाइल हमले किए। दोनों देशों के बीच लगातार जारी जवाबी हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते विवाद ने क्षेत्र को एक बार फिर व्यापक युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिकी सेना ने बताया कि उसके ताजा हमलों से हाल के दिनों में पहली बार उत्तरी ईरान के कई हिस्से दहल उठे। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक राजधानी तेहरान के आसपास भी जोरदार विस्फोट हुए। ये हमले उस समय हुए जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। इसी जलमार्ग से सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और प्राकृतिक गैस गुजरती है। ईरानी मीडिया के अनुसार अमेरिकी हमलों में सेमनान प्रांत को भी निशाना बनाया गया। यह इलाका ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल निर्माण और उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र माना जाता है। फिलहाल इन हमलों में हुए नुकसान या हताहतों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अमेरिका द्वारा ईरान पर दोबारा नौसैनिक नाकेबंदी लागू करने और हवाई हमलों का दायरा बढ़ाने के बाद ईरान ने गुरुवार सुबह बहरीन और कुवैत पर मिसाइल हमले किए। अमेरिकी प्रशासन ने यह कार्रवाई उन जहाजों पर ईरानी हमलों के जवाब में की थी, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। ईरानी अधि ाकारियों के अनुसार अमेरिकी हमलों में सेना की एक बैरक को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम सात सैनिकों की मौत हो गई, जबकि देशभर में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। वहीं ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर किए गए हमलों में किसी तरह के नुकसान या हताहतों की तत्काल पुष्टि नहीं हुई। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कई दिनों से जारी जवाबी हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते टकराव ने अंतरिम समझौते को लगभग निष्प्रभावी कर दिया है। क्षेत्र में हालात एक बार फिर पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिका ने पहली बार अप्रैल में ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी लगाई थी, जिसे पिछले महीने अंतरिम समझौते के बाद हटा लिया गया था। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने 60 दिनों तक संघर्ष रोककर ईरान के परमाणु कार्यक्रम समेत अन्य मुद्दों पर बातचीत करने पर सहमति जताई थी। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर संघर्ष बढ़ने के साथ ही वार्ता ठप पड़ गई। जब 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया, तब तेहरान ने प्रभावी रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रोक दी। इसके बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल, उर्वरक और कई अन्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल आ गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।